CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 296 ता. 30 मई 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मन की बात का 89वां एपिसोड

पीएम मोदी ने कहा- स्टार्टअप की दुनिया न्यू इंडिया का रिफलेक्शन, देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 से ज्यादा हुई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में लोगों से चर्चा कर रहे हैं। यह इस रेडियो प्रोग्राम का 89वां एडिशन है। इस एडिशन में पीएम मोदी स्टार्टअप के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने देश के स्टार्टअप सिस्टम की तारीफ करते हुए कहा कि- आप लोग क्रिकेट के मैदान पर टीम इंडिया के किसी बल्लेबाज की सेंचुरी सुन कर खुश होते होंगे, लेकिन, भारत ने एक और मैदान में सेंचुरी लगाई है और वो बहुत विशेष है।

उन्होंने कहा- इस महीने 5 तारीख को देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 के आंकड़े तक पहुंच गई है और आपको तो पता ही है, एक यूनिकॉर्न, यानी, कम-से-कम साढ़े सात हज़ार करोड़ रूपए का स्टार्टअप। आपको यह जानकर भी हैरानी होगी, कि, हमारे कुल यूनिकॉर्न में से 44, पिछले साल बने थे 7 इतना ही नहीं, इस वर्ष के 3-4 महीने में ही 14 और नए यूनिकॉर्न बन गए।

उन्होंने आगे कहा- इन यूनिकॉर्न का कुल वैल्यूएशन 330 अरब डॉलर, यानी 25 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। इसका मतलब यह हुआ कि वैश्विक महामारी के इस दौर में भी हमारे स्टार्टअप, वेल्थ और वैल्य करते रहे हैं

इस महीने 5 तारीख को देश में यूनिकॉर्न की संख्या 100 के आंकड़े तक पहुंच गई है और आपको तो पता ही है, एक यूनिकॉर्न, यानी, कम-से-कम साढ़े सात हज़ार करोड़ रूपए का स्टार्टअप। आपको यह जानकर भी हैरानी होगी, कि, हमारे कुल यूनिकॉर्न में से 44, पिछले साल बने थे 7 इतना ही नहीं, इस वर्ष के 3-4 महीने में ही 14 और नए यूनिकॉर्न बन गए।

यह कार्यक्रम ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के सभी नेटवर्क पर ब्रॉडकास्ट किया जा रहा है। इसके अलावा ये AIR न्यूज वेबसाइट और न्यूज ऑन एयर मोबाइल ऐप पर भी प्रसारित होगा। कार्यक्रम AIR न्यूज, डीडी न्यूज, PMO और इन्फर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्ट्री के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा।

मोदी ने ने 3 अक्टूबर 2014 को इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी और इसका मकसद जनता के मुद्दों और गवर्नेंस को लेकर सीधा संवाद स्थापित करना है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और लता मंगेशकर जैसी हस्तियां इस प्रोग्राम में गेस्ट रह चुकी हैं।

युवाओं की दिलचस्पी से PM को खुशी

प्रधानमंत्री मोदी ने 89वें एपिसोड को लेकर कहा था कि उन्हें इसके लिए बहुत सारे सुझाव मिले हैं। उन्होंने खुशी जाहिर की कि युवाओं ने बड़ी तादाद में अपनी राय शेयर की है। उन्होंने पिछले महीने के मन की बात को लेकर एक बुकलेट भी शेयर की। इसमें उन मुद्दों पर इंट्रेस्टिंग आर्टिकल हैं, जिन पर मन की बात में चर्चा हुई।

पिछले महीने डिजिटल इकोनॉमी और म्यूजियम पर चर्चा की

पिछले महीने मन की बात कार्यक्रम के दौरान मोदी ने संग्रहालयों की चर्चा की थी। उन्होंने कहा था कि इस बार सबसे ज्यादा चिट्ठियां नए प्रधानमंत्री संग्रहालय को लेकर आई हैं। म्यूजियम में डिजिटाइजेशन पर भी फोकस बढ़ा है। इस दौरान उन्होंने कहा था कि छोटे-छोटे पेमेंट ने बड़ी डिजिटल इकोनॉमी को आकार दिया।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना की फोटो लगाकर वॉट्सऐप पर दी धमकी, स्पेशल सेल ने दर्ज की FIR

दिल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति को झूठे मामलों में फंसाने के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना के नाम और फोटो का गलत इस्तेमाल करने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने एक व्यक्ति को झूठे मामलों में फंसाने के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना के नाम और फोटो का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल करने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वॉट्सऐप पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना की प्रोफाइल फोटो लगाकर एक शख्स ने किसी को झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित ने धमकी भरे मैसेज का स्क्रीनशॉट मेल कर दिल्ली पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इस मामले को जांच के लिए स्पेशल सेल के हवाले कर दिया है। पीड़ित ने 25 मई को दिल्ली पुलिस को मेल भेजकर इस बारे में शिकायत की थी। पीड़ित ने बताया कि एक मोबाइल नंबर से कॉल कर धमकी दी जा रही है। इस मोबाइल नंबर के वॉट्सऐप पर पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना की डीपी (डिस्प्ले पिक्चर) लगी हुई है। साथ ही ट्रू कॉलर पर भी राकेश अस्थाना की फोटो दिख रही है। इस नंबर से उसे झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी जा रही है। स्पेशल सेल ने आईपीसी की धारा 419/170/506/507 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

सेवाओं में सुधार के लिए गैर-व्यक्तिगत डाटा जुटाएगी सरकार

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जारी किया फ्रेमवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सेवाओं में सुधार के लिए लोगों का गैर-व्यक्तिगत डाटा जुटाएगी। इसके लिए इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर ड्राफ्ट नेशनल डाटा गवर्नेंस फ्रेमवर्क जारी किया गया है। इस डाटा का इस्तेमाल निजी और सरकारी दोनों प्रकार के संस्थान कर सकेंगे।

भारत की एक ट्रिलियन डालर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने में भी मिलेगी मदद

ड्राफ्ट पालिसी में इंडिया डाटासेट्स कार्यक्रम का प्रस्ताव किया गया है जिसमें गैर-व्यक्तिगत डाटा एकत्र किया जाएगा। इस कार्यक्रम के जरिये इस डाटा तक निजी और सरकारी कंपनियों की पहुंच और उसके सुरक्षित इस्तेमाल से जुड़े नियम और तौर-तरीके बनाए जाएंगे। इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि नेशनल डाटा गवर्नेंस फ्रेमवर्क आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, स्टार्टअप्स, एआइ रिसर्च संस्थान और सरकारी विभागों के हित में है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि इससे भारत की एक ट्रिलियन डालर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे डिजिटल सरकार और सरकार के डिजिटलीकरण में भी तेजी आएगी।

कोरोना के बाद सरकार के डिजिटलीकरण में आई तेजी

ड्राफ्ट में कहा गया है कि कोविड महामारी के दौरान डिजिटल गवर्नेंस ने महामारी को लेकर भारत की प्रतिक्रिया और इसके जीवन, आजीविका और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव में बड़ी भूमिका निभाई है। कोरोना के बाद सरकार के डिजिटलीकरण में तेजी आई है। डाटा के निर्माण में तेजी आई है। इसका इस्तेमाल नागरिकों से जुड़े सेवाओं के सुधार में किया जा सकता है। यह प्रस्तावित पालिसी सभी सरकारी विभागों संस्थानों पर लागू होगी। ड्राफ्ट में राज्य सरकारों को भी इस पालिसी के प्रावधानों और नियमों को अपनाने का आग्रह किया गया है।

केरल में कभी भी दस्तक दे सकता है मानसून, दिल्ली समेत इन राज्यों में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली। केरल में अगले दो-तीन दिनों में मानसून के पहुंचने की परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। इसी अवधि के दौरान अरब सागर और लक्षद्वीप क्षेत्र के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए भी परिस्थितियां अनुकूल हैं। उत्तर भारत के राज्यों में पिछले कुछ दिनों से लू और भीषण गर्मी से राहत है। देश के अलग-अलग हिस्सों में आंधी-तूफान और बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं, जिसके चलते मौसम का मिजाज बदला है।

40 डिग्री के पार जा सकता है दिल्ली का पारा-मौसम विभाग ने दिल्ली में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की संभावना जताई है, हालांकि साथ ही हल्की बारिश के आसार भी हैं। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो एक दिन पहले दर्ज तापमान से तकरीबन एक डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम में अगले दो दिनों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने, गरज के साथ छीटें पड़ने और हल्की बारिश की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक लू चलने की संभावना नहीं है।

इन राज्यों में भी बारिश के आसार

लखनऊ और गाजियाबाद में रविवार को हल्के बादल छाए रहने के आसार हैं।

अगले 5 दिनों के दौरान बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

30 और 31 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में, 27-31 मई तक असम-मेघालय में, 27, 30 एवं 31 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश होने की संभावना है।

इस दौरान आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पुडुचेरीमें छिटपुट बारिश हो सकती है।

अगले 4 दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में गरज के साथ मध्यम बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तराखंड, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

बहराइच में भीषण सड़क हादसा, ट्रक व ट्रैवलर में टक्कर से 3 की मौत, 12 लोग घायल

बहराइच। बहराइच जिले में नानपारा-लखीमपुर हाईवे पर नैनिहा के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक व ट्रैवलर में आमने- सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में ट्रेवलर सवार तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक दर्जन यात्री घायल हो गए। जिन्हें बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। ट्रैवलर कर्नाटक की बताई जा रही है। मोतीपुर थाने के नानपारा- लखीमपुर हाईवे के नैनिहा गांव के पास रविवार सुबह लगभग 5:30 बजे ट्रक और ट्रैवलर की आमने -सामने भीषण टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। एक दर्जन यात्री घायल हो गए। 9 घायलों को सीएचसी से बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। ट्रैवलर कर्नाटक से लखीमपुर होते हुए अयोध्या जा रही थी। मोतीपुर एसएचओ मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि तीन यात्रियों की मौत हुई है। गंभीर घायलों को शहर स्थित मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। आधा दर्जन और घायलों को मोतीपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

सीएम योगी ने जताया शोक

सीएम योगी ने ने जनपद बहराइच में सड़क दुर्घटना से हुई जनहानि पर गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री जी ने दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

फर्जी संस्थानों से रहें सतर्क, जांच परख कर ही लें दाखिला, GC ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले को लेकर शुरू हुई दौड़ के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) छात्रों और अभिभावकों को फर्जी संस्थानों व बगैर मान्यता प्राप्त डिग्री कोर्सों को लेकर सतर्क किया है। यूजीसी ने दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एंड फिजिकल हेल्थ साइंस (एआइआइपीएचएस) को लेकर एक ऐसा ही पब्लिक नोटिस जारी किया है और छात्रों से इस स्वयंभू संस्थान में कतई दाखिला न लेने की सलाह दी है। यूजीसी के मुताबिक एआइआइपीएचएस को लेकर जानकारी मिली है, कि वह डिग्री कोर्स भी संचालित कर रहा है, जो कि यूजीसी के नियमों के तहत नियम विरुद्ध है। कोई भी ऐसा संस्थान डिग्री कोर्स संचालित नहीं कर सकता है, जो विश्वविद्यालय स्थापना नियमों के तहत स्थापित नहीं है।

देश भर के संस्थानों पर रखी जा रही नजर

यूजीसी के मुताबिक वह देश भर के ऐसे संस्थानों पर नजर रख रही है जो फर्जी तरीके से डिग्री कोर्स संचालित कर रहे हैं। हालांकि यूजीसी ने इस तरह की कार्रवाई कोई पहली बार नहीं की, बल्कि वह ऐसे स्वयंभू संस्थानों और उनके फर्जी कोर्सों को लेकर छात्रों को समय-समय पर अलर्ट करती ही रहती है। इससे पहले वह 24 ऐसे ही स्वयंभू संस्थानों को फर्जी घोषित कर चुकी है। जो खुद के नाम के आगे विश्वविद्यालय या राज्य विश्वविद्यालय जैसे नाम लगाकर छात्रों को गुमराह कर रहे थे।

दाखिला लेने से पहले संस्थान की हकीकत को परखें

यूजीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी गई है, कि वह उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने से पहले उसकी हकीकत को परखें। साथ ही यह जांचे कि उसने यूजीसी से मान्यता ली है या नहीं। यूजीसी की बेवसाइट पर जाकर भी ऐसे संस्थानों की जानकारी को जांच सकते है। इसके बाद ही वह दाखिला। अन्यथा अपने भविष्य के लिए वह खुद जिम्मेदार है, क्योंकि स्वयंभू संस्थानों की फर्जी डिग्री अमान्य है। उनके आधार पर उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिलेगी।

रेलवे ने एक झटके में बदली 114 साल पुरानी प्रशासनिक व्यवस्था

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे का 114 साल पुराना प्रशासनिक ढांचा बदल गया है। आठ कैडरों का विलय कर एक सेवा भारतीय रेल मैनेजमेंट सर्विस (आईआरएमएस) बना दी गई। यानी रेल अधिकारी मैनेजमेंट सर्विस के अधिकारी कहे जाएंगे। दावा है कि कैडरों के बीच सात दशकों से चली आ रही लॉबिंग को एक झटके में समाप्त कर दिया गया है। रेलवे अब आधुनिकता की पटरी पर सरपट दौड़ेगी।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कैबिनेट ने आठ कैडरों के विलय पर पहले ही मुहर लगा दी थी। शुक्रवार को जारी अधिसूचना के साथ आईआरएमएस कानूनी मान्यता मिल गई। इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल्स, लेखा, भंडारण, कार्मिक, यातायात, सिंगनल एवं टेलीकॉम कैडर समाप्त हो गए हैं। अब वह मैनेजमेंट सर्विस के अधिकारी होंगे। इन बदलावों में खास बात है कि लेवल-17 यानी रेलवे बोर्ड अध्यक्ष व सदस्यों सहित लेवल-16 यानी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों व उनके समक्ष अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रया में इंटेलिजेंस कोशेंट (आईक्यू) के स्थान पर इमोशनल कोशेंट(ईक्यू) फॉर्मूला चलेगा। आईक्यू में कई अलग मानकीकृत परीक्षणों से प्राप्त गणना के तहत अधिकारी की बुद्धि का आकलन किया जाता है। जबकि ईक्यू में तार्किकता के साथ अधिकारी के नेतृत्व क्षमता का आकलन किया जाता है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कैबिनेट ने आठ कैडरों के विलय पर पहले ही मुहर लगा दी थी। शुक्रवार को जारी अधिसूचना के साथ आईआरएमएस कानूनी मान्यता मिल गई। इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल्स, लेखा, भंडारण, कार्मिक, यातायात, सिंगनल एवं टेलीकॉम कैडर समाप्त हो गए हैं। अब वह मैनेजमेंट सर्विस के अधिकारी होंगे। इन बदलावों में खास बात है कि लेवल-17 यानी रेलवे बोर्ड अध्यक्ष व सदस्यों सहित लेवल-16 यानी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों व उनके समक्ष अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रया में इंटेलिजेंस कोशेंट (आईक्यू) के स्थान पर इमोशनल कोशेंट(ईक्यू) फॉर्मूला चलेगा।

लॉबिंग की परंपरा खत्म होगी-ईक्यू अधिकांश विकसित देशों की शीर्ष सार्वजनिक क्षेत्र में प्रचलन में है। इसको केंद्र सरकार ने पहली बार भारतीय रेल में अपनाया है। आईआरएमएस में अधिकारी के प्रमोशन में वरिष्ठता के स्थान पर ईक्यू स्तर काम करेगा। इससे रेलवे में शीर्ष पदों पर लॉबिंग की परंपरा हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। रेलवे बोर्ड व महाप्रबंधक पदों पर नियुक्ति के लिए साक्षात्कार में अधिकारी से अपने कामकाज की पांच उपलब्धियां बतानी होंगी। साथ ही उसे भविष्य का रोडमैप पेश करना होगा।

नई व्यवस्था में क्या है खास?

नई व्यवस्था में एक रेलवे बोर्ड अध्यक्ष (सीआरबी) एवं सीईओ होगा। इसके साथ चार सदस्य रेलवे बोर्ड सदस्य (अवसंरचना), सदस्य (परिचालन व व्यवसाय विकास), सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक), सदस्य (वित्त) सहित दो महानिदेशक पहला महानिदेशक (मानव संसधान), महानिदेशक (संरक्षा) होंगे। जबकि भारतीय रेल में मेट्रो रेल सहित 17 जोनल रेलवे के महाप्रबंधक, रेल कोच फैक्ट्री, इंजन कारखाना, पहिया कारखाना सहित कुल 29 महाप्रबंधक होंगे।

CMYK

सार समाचार

अफ्रीकी देशों से आए लोग मंकीपॉक्स जैसे लक्षणों की जानकारी दें: तमिलनाडु सरकार

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)। तमिलनाडु सरकार ने अफ्रीकी देशों सहित विभिन्न देशों से आए लोगों से अपील की है कि यदि उन्हें मंकीपॉक्स जैसे लक्षण महसूस हों तो वे इसकी जानकारी स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी को दें। एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह बात कही। स्वास्थ्य विभाग के सचिव जे. राधाकृष्णन ने कहा कि सरकार द्वारा स्थापित निगरानी तंत्र कोविड-19 मामलों का पता लगाने और इनकी रोकथाम में सक्षम है। उन्होंने यहां जिला सरकारी अस्पताल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा, हमें मंकीपॉक्स बीमारी को लेकर केंद्र सरकार की ओर से अंतरिम दिशा-निर्देश मिले हैं, जिनमें कहा गया है कि वैसे तो अफ्रीकी देशों या यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, और अमेरिका से आए लोगों में हवाई अड्डे पर बीमारी के लक्षण नहीं मिले हैं, लेकिन जिन लोगों में आगमन के 21 दिन के अंदर कुछ लक्षण विकसित हुए हों, उन्हें स्वास्थ्य अधिकारी को इसकी जानकारी देनी होगी। अधिकारी ने कहा कि लोगों को सतर्क रहना होगा और कोविड-19 नियमों का पालन करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें बताया गया है कि बीमारी गंभीर नहीं होगी, लेकिन हमें इसे रोकने के लिए सावधान रहना होगा। अब तक, देश में मंकीपॉक्स से संबंधित कोई मामला सामने नहीं आया है।

बंगाल की 45 पंचायतों को स्वच्छ पेयजल के लिए एनजीओ ने परियोजना शुरू की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के तीन जिलों की 45 पंचायतों के निवासियों को 'स्वच्छ पेयजल' और स्वच्छता की सुविधा मुहैया कराने के लिए एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने एक बहुराष्ट्रीय कंपनी (एमएनसी) की साझेदारी में 'स्वच्छ जल तक पहुंच परियोजना' शुरू की है। वाटरऐड के निदेशक (संसाधन और संचार) विकास कटारिया ने बताया कि इस परियोजना का लक्ष्य घरों तक साफ पेयजल पहुंचाना, भूजल में आ रही गिरावट को रोकना और संबंधित इलाकों में बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करना है। कटारिया ने बताया कि इस योजना का विचार अप्रैल 2020 में आया था लेकिन कोविड महामारी और लॉकडाउन की वजह से जमीनी काम वर्ष 2021 के मध्य में शुरू हो सका और इस साल परियोजना ने गति पकड़ी है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में पेप्सीको कंपनी सहयोग कर रही है। कटारिया ने बताया कि परियोजना का लक्ष्य हुगली, बांकुड़ा और पूर्वी बर्द्धमान जिले की इन पंचायतों के करीब दो लाख लोगों को 2024 के मध्य तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है।

हरियाणा में स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति में सुधार करेंगे : केजरीवाल

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दावा किया कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति को सुधारा है और उनकी पार्टी हरियाणा में भी यह करना चाहती है। केजरीवाल ने हरियाणा में सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र कथित रूप से लीक होने के मामलों को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार की आलोचना भी की। केजरीवाल ने यहां अपनी पार्टी की पहली राज्य स्तरीय रैली को संबोधित करते हुए अगले महीने होने वाले नगर निगम चुनावों में लोगों का समर्थन मांगा। राज्य की 28 नगर समितियों और 18 नगर परिषदों के लिए 19 जून को मतदान होगा। केजरीवाल ने भ्रष्ट आचरण को लेकर पंजाब मंत्रिमंडल से विजय सिंगला को हटाने का उदाहरण देते हुए दिल्ली और पंजाब में 'भ्रष्टाचार खत्म करने' की बात भी कही। उन्होंने 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए लोगों से वोट मांगते हुए कहा, 'हमने दिल्ली और पंजाब में भ्रष्टाचार खत्म कर दिया और हरियाणा में भी ऐसा करेंगे। 'उन्होंने कहा, 'मुझे अच्छा लगता है जब लोग मुझे 'हरियाणा का लाल' कहते हैं। हरियाणा मेरी जन्मभूमि है।' उन्होंने कहा कि जैसे दिल्ली में चौबीसों घंटे बिजली रहती है, 'आप' की सरकार बनने पर हरियाणा में भी उसी तरह बिजली आपूर्ति की जाएगी।

महबूबा मुफ्ती बोलीं- कश्मीर में केंद्र की नीति विफल, गुपकार गठबंधन से डरती है सरकार

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख और जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर निसाना साधा है। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने दावा किया कि कश्मीर में केंद्र सरकार की नीति विफल हो गई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्र सरकार गुप्कर गठबंधन से डरती है, क्योंकि अगर हम साथ आए तो घाटी में उनकी भयावह योजना विफल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कश्मीर में केंद्र की नीति विफल हो गई है और उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी और मुफ्ती मोहम्मद सईद की नीति पर वापस आना होगा। जमीयत-उलेमा-ए हिंद के समान नागरिक संहिता के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने पर महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्होंने अपनी बात रखी है और जिस समय मुल्क में हालात बिगड़ रहे हैं, मस्जिदों पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो ऐसे में हमारे कौम के लोग इकट्ठे होकर बात करेंगे तो अच्छी बात है। गौरतलब है कि जमीयत उलमा-ए-हिंद ने ३संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने और एक समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों३ पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रस्ताव पारित किया।

न्यायपालिका की आलोचना कर अभिषेक बनर्जी ने हद पार की: जगदीप धनखड़

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से मामलों की जांच कराने के आदेश को लेकर तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने न्यायपालिका की आलोचना करके 'हद पार कर दी है''। राज्यपाल ने इसके साथ ही यह भी दावा किया कि राज्य में संवैधानिक प्राधिकारों पर हमले हो रहे हैं। धनखड़ ने कहा कि उन्होंने बनर्जी की टिप्पणियों को गंभीरता से लिया है। उन्होंने मामले में राज्य के मुख्य सचिव से तत्काल उचित कार्रवाई करने को कहा। राज्यपाल दार्जीलिंग की यात्रा पर हैं। उन्होंने बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद कहा, 'राज्य में संवैधानिक संस्थानों पर हमले हो रहे हैं, न्यायपालिका पर हमला निंदनीय है।' उन्होंने कहा,'एक आम सभा में उस न्यायाधीश पर निशाना साधना जिसने एसएससी घोटाला मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं, बेहद निंदनीय है। माननीय संसद सदस्य ने हद पार कर दी है।' गौरतलब है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पिछले एक वर्ष में कई मामलों की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं, जिनमें चुनाव बाद हुई हिंसा और स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा शिक्षकों की नियुक्ति किए जाने के मामले भी शामिल हैं। बनर्जी ने शनिवार को हल्दिया में एक रैली में राज्य में 'प्रत्येक मामले' में सीबीआई जांच को लेकर 'न्यायपालिका में एक प्रतिशत लोगों' की आलोचना की थी। बनर्जी ने कहा था, 'मुझे यह कहते हुए शर्म महसूस हो रही है कि न्यायपालिका में एक या दो ऐसे लोग हैं जो प्रत्येक मामले में सीबीआई जांच का आदेश दे रहे हैं। यह न्यायपालिका का केवल एक प्रतिशत है....।'

टीकाकरण अभियान में भारत की कामयाबी से लेना चाहिए सबक : बिल गेट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)

कोरोना संक्रमण को मात देने के लिए इन दिनों भारत में वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। हर रोज लाखों लोगों को कोरोना से बचाव के लिए टीके लगाए जा रहे है। टीकाकरण अभियान को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स ने भारत की जम कर तारीफ की है। उन्होंने कहा जिस बड़े स्तर पर इस अभियान को चलाया जा रहा है उससे दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान बिल गेट्स से स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मुलाकात की थी। मनसुख मंडाविया ने इस मुलाकात की ट्वीट कर जानकारी दी थी। बिल गेट्स ने इसका जवाब देते हुए भारत की तारीफ की है। उन्होंने लिखा मनसुख मंडाविया से मिलकर अच्छा लगा। हमने ग्लोबल हेल्थ को लेकर चर्चा की। बिल गेट्स ने कहा भारत ने वैक्सीनेशन को लेकर जिस तरह का सफल आयोजन किया और जिस प्रकार इसमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है, इससे दुनिया को सीखने की जरूरत है।

पिछले हफ्ते 25 मई को मनसुख मंडाविया ने बिल गेट्स से मुलाकात की थी। इस मीटिंग की एक फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था बिल गेट्स ने भारत के वैक्सीनेशन मैनेजमेंट की तारीफ की है। हमने स्वास्थ्य सेवा से संबंधित विषयों पर चर्चा की। जिसमें डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, रोग नियंत्रण प्रबंधन, एमआरएनए क्षेत्रीय केंद्रों का निर्माण, और सस्ती और गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों के विकास को मजबूत करना आदि शामिल हैं।

जापान का भारत में निवेश यहां के माहौल पर निर्भर करेगा: राजनयिक

गुवाहाटी। भारत में जापान दूतावास के उप-प्रमुख कावाजु कुनिहिको ने रविवार को कहा कि अगले पांच वर्षों में उनके देश से 5,000 अरब येन का निवेश लक्ष्य भारत में 'निवेश के माहौल' पर निर्भर करेगा। हालांकि, कुनिहिको ने कहा कि जापान और भारत के संबंध हर एक क्षेत्र में प्रगाढ़ हो रहे हैं। यहां एक कार्यक्रम से इतर कुनिहिको ने कहा, 'हम भारत में अगले पांच साल में 5,000 अरब येन के निवेश लक्ष्य की घोषणा कर चुके हैं। यह सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों से होगा और विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारत को कर्ज देना भी इसमें शामिल है।' उन्होंने कहा कि जिन प्रमुख क्षेत्रों में मुख्य रूप से निवेश होगा वे हैं विनिर्माण, जलवायु परिवर्तन और अवसंरचना। कुनिहिको ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि हम इस लक्ष्य को पा लेंगे। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत में निवेश का माहौल कितना बेहतर है। भारतीय पक्ष की ओर से प्रयास और सहयोग के बगैर निवेश लक्ष्य को पाना मुश्किल होगा।' निवेश माहौल से उनका क्या मतलब है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति, अवसंरचना विकास पर जोर और नीतिगत स्थिरता भारत में पूंजी आकर्षित करने के लिए अहम हैं। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के बीच संबंध 21वीं सदी में लगातार ऊंचाई पर जा रहे हैं। मार्च में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने घोषणा की थी जापान अगले पांच साल में भारत में 5,000 अरब येन (3,20,000 करोड़ रुपये) का निवेश करेगा।

वैश्विक महामारी में भी भारतीय स्टार्टअप का मूल्यांकन और धन बढ़ा है: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में 'यूनीकॉर्न' कंपनियों की संख्या 100 तक पहुंचने का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी में भी भारतीय स्टार्टअप ने धन कमाना और मूल्यांकन बढ़ाना जारी रखा तथा छोटे शहरों एवं कस्बों से भी उद्यमी निकल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो पर प्रसारित होने वाले अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि इस महीने की पांच तारीख को भारत में 'यूनीकॉर्न' की संख्या 100 के आंकड़े तक पहुंच गई। उन्होंने कहा, 'इन यूनीकॉर्न का कुल मूल्यांकन 330 अरब डॉलर से अधिक का यानी 25 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। यह हर भारतीय के लिए निश्चित ही बहुत गर्व की बात है।' मोदी ने कहा, 'आपको यह जानकर हैरानी होगी कि हमारी कुल यूनिकॉर्न कंपनियों में से 44 पिछले साल ही बनी थीं। इसके अलावा, इस साल तीन से चार महीनों की अवधि में 14 यूनीकॉर्न कंपनियां बनीं। इसका अर्थ है कि वैश्विक महामारी में भी हमारे स्टार्टअप ने धन कमाना और मूल्यांकन बढ़ाना जारी रखा।' उन्होंने कहा कि भारतीय यूनिकॉर्न की औसत वार्षिक वृद्धि दर अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि विश्लेषकों का भी मानना है कि आगामी वर्षों में इनकी संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में यूनिकॉर्न कंपनियां विविधतापूर्ण बन रही हैं और वे ई-कॉमर्स, फिन-टेक, एड-टेक और बॉयो-टेक जैसे कई क्षेत्रों में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'एक अन्य बात जिसे मैं ज्यादा महत्वपूर्ण समझता हूं, वह यह है कि स्टार्टअप की दुनिया नए भारत की भावना को प्रदर्शित कर रही है। आज, भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र केवल बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि छोटे-छोटे शहरों एवं कस्बों से भी उद्यमी सामने आ रहे हैं। यह दशार्ता है कि भारत में जिसके पास नवोन्मेषी विचार है, वह धन कमा सकता है।' मोदी ने स्टार्टअप की दुनिया में सही मार्गदर्शन की महत्ता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, 'एक अच्छा मार्गदर्शक किसी स्टार्टअप को नई ऊंचाइयों पर लेकर जा सकता है... संस्थापकों को सही निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन मुहैया करा सकता है। मुझे गर्व है कि भारत में ऐसे कई मार्गदर्शक हैं, जिन्होंने स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया है।' उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए बहुत खुशी की बात है कि आज स्टार्टअप के लिए देश में एक पूर्ण सहयोगी तंत्र विकसित हो रहा है। मुझे भरोसा है कि आगामी समय में हमें भारत के स्टार्टअप की दुनिया में प्रगति की नई उड़ान देखने को मिलेगी।' मोदी ने कहा कि भारत कई भाषाओं, लिपियों और बोलियों का समृद्ध खजाना है। उन्होंने कहा, 'विभिन्न क्षेत्रों की विविध पोशाक, व्यंजन और संस्कृति हमारी पहचान है। एक देश के रूप में यह विविधता हमें मजबूत बनाती है और हमें एकजुट करती है।' विविधता का उदाहरण देते हुए मोदी ने कल्पना नामक छात्रा की यात्रा का जिक्र किया, जिसने हाल में कर्नाटक में 10वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने कहा कि कल्पना की सफलता की कहानी में अहम बात यह है कि उसे कुछ समय पहले तक कन्नड नहीं आती थी, लेकिन उसने न केवल तीन महीने में सीखी, बल्कि 92 अंक हासिल करके स्वयं को साबित किया। मोदी ने पश्चिम बंगाल के पुरुलिया निवासी और पुरुलिया स्थित सिद्धो-कान्हू-बिरसा विश्वविद्यालय में संथाली के प्रोफेसर श्रीपति टुडू का भी उदाहरण दिया।

राहुल गांधी का केंद्र पर निशाना, नोटबंदी की एकमात्र सफलता अर्थव्यवस्था का 'डूबना' है

नई दिल्ली (एजेंसी)

नोटबंदी को लेकर विपक्षी दलों ने रविवार को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि 2016 के इस कदम की एकमात्र 'दुर्भाग्यपूर्ण सफलता' भारत की अर्थव्यवस्था का 'डूबना' है। गांधी ने मीडिया की एक खबर के स्क्रीनशॉट को टैग किया, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि 500 रुपये के जाली नोट में 100 प्रतिशत और 2,000 रुपये के जाली नोट में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों नोट 500 रुपये और 1,000 रुपये के पुराने नोट पर प्रतिबंध लगाने के बाद जारी किए गए थे। कांग्रेस नेता ने एक ट्वीट में कहा, 'नोटबंदी की एकमात्र दुर्भाग्यपूर्ण सफलता भारत की अर्थव्यवस्था का डूबना है।'तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने भी आरबीआई की रिपोर्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधा। टीएमसी नेता ने एक ट्वीट में कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नमस्कार। नोटबंदी याद है? आपने नोटबंदी पर क्या वादा किया था कि सभी जाली मुद्रा खत्म हो जाएगी। यहां आरबीआई की नयी रिपोर्ट है, जिसमें कहा गया है कि जाली नोट की संख्या बढ़ गई है।' शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी आरबीआई की रिपोर्ट को लेकर मोदी नीत सरकार पर निशाना साधा और कहा, 'नोटबंदी के फायदों में से एक को महसूस किया जा रहा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काले धन की समस्या खत्म करने और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के घोषित उद्देश्य के साथ आठ नवंबर, 2016 को 1,000 रुपये और 500 रुपये के पुराने नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा की थी।

महाराष्ट्र में कोरोना के नए वेरिएंट और बढ़ते संक्रमण ने बढ़ाई चिंता, सरकार ने दी मास्क पहनने की हिदायत

मुंबई (एजेंसी)

महामारी कोरोना के घातक वायरस के स्वरूपों का सिलसिला जारी है लिहाजा राज्य में कोरोना केसों में हो रही बढ़ोतरी और ओमिक्रोन के बेहद संक्रामक बीए.4 और बीए.5 वेरिएंट के मरीज पाए जाने के बाद सरकार ने लोगों को आगाह किया है। समाचार के मुताबिक, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि जिन जिलों में कोरोना के केसों में इजाफा हो रहा है, वहां के लोग ज्यादा सावधान रहें और मास्क पहनकर रखें। पिछले महीने राज्य में मास्क की अनिवार्यता खत्म कर दी गई थी। अब बदले हालात में सरकार फिर से सतर्कता बरतने पर जोर दे रही है। अधिकारियों को भी संक्रमण रोकने के निर्देश दिए गए हैं। ओमिक्रोन को बेहद तेजी से फैलने वाला वैरिएंट माना जाता है। अब इसके नए बदले हुए रूप में सामने आने से चिंता बढ़ गई है। खबरों के मुताबिक, महाराष्ट्र में शनिवार को पहली बार ओमिक्रोन के सब वैरिएंट बी.ए.4 के चार मरीज पाए गए थे। इसके अलावा बी.ए. 5 के तीन मरीज भी मिले थे। अधिकारियों के मुताबिक, ये सभी केस पुणे में पाए गए। मरीजों में चार पुरुष और तीन महिलाएं हैं। इनमें 10 साल से कम उम्र का एक बच्चा भी है। सभी में कोरोना के हल्के लक्षण हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी है। उन्हें घर पर ही आइसोलेशन में रखा गया है। बता दें कि भारत में ओमिक्रोन के सब वैरिएंट बी.ए.4 और बी.ए.5 के सबसे पहले केस तमिलनाडु और हैदराबाद में पाए गए थे। महाराष्ट्र में कोरोना केसों में लगातार इजाफा हो रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शनिवार को राज्य में कोविड के 529 नए मामले दर्ज किए। हालांकि किसी मौत की खबर नहीं है। इससे पहले शुक्रवार को 536 नए मामले मिले थे।

भारत न मेरा, न ठाकरे का और न मोदी-शाह का, इस पर द्रविड़ और आदिवासियों का ही है असली हक : ओवैसी

भिवंडी (एजेंसी)

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा वे ताजमहल के नीचे पीएम की डिग्री की तलाश कर रहे हैं। उनका यह बयान ताजमहल विवाद के संदर्भ में आया है, जो कुछ हफ़्ते पहले भड़क उठा था।

आगरा में ताजमहल में 22 बंद कमरों के पीछे सच्चाई का पता लगाने के लिए एक भाजपा नेता द्वारा याचिका दायर की गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि यहां वास्तव में एक पुराना शिव मंदिर है। 12 मई को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी और कहा कि ऐसी चीजों को इतिहासकारों पर छोड़ दिया जाना चाहिए।

ओवैसी ने कहा कि भाजपा इस बारे में बात करती रहती है कि मुगल भारत के बाहर से आए, लेकिन दुनिया के विभिन्न हिस्सों से कई अन्य समुदायों के लोग भी भारत आए। उन्होंने कहा कि केवल द्रविड़ और आदिवासी ही भारत से हैं। ओवैसी ने कहा भारत न मेरा है, न ठाकरे का, न मोदी-शाह का। अगर भारत किसी का है तो वह द्रविड़ और आदिवासी हैं। भाजपा-आरएसएस मुगलों के बाद ही हैं। भारत का गठन अफ्रीका, ईरान, मध्य और पूर्वी एशिया से लोगों के पलायन के बाद हुआ था। ओवैसी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर भी कटाक्ष किया, जो वर्तमान में कांग्रेस और शिवसेना के साथ गठबंधन में महाराष्ट्र की सत्ता में है। उन्होंने कहा विधानसभा चुनाव में एनसीपी नेता ओवैसी को वोट देने के लिए कह रहे थे ताकि भाजपा और शिवसेना को रोका जा सके। चुनाव के बाद एनसीपी ने शिवसेना से निकाह कर लिया। मुझे नहीं पता कि तीनों दलों में से दुल्हन कौन है।

प्रतिबंधित पदार्थों की खेप रोकने और इसके खतरे को कम करने की कोशिशे जारी : नौसेना प्रमुख

कन्नूर (एजेंसी)

भारतीय नौसेना चीफ एडमिरल आर हरि कुमार ने खुले समुद्र (हाई सी) से मादक पदार्थ बरामद होने की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित पदार्थों की खेप अफगानिस्तान से आती है और इसके खतरे को कम करने के प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के कैडेट के पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करने के बाद यहां मीडिया को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि अफगानिस्तान सरकार के पतन और तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अवैध गतिविधियों में इजाफा हुआ है। नौसेना प्रमुख कुमार ने कहा, 'मादक पदार्थ का खतरा अभी बहुत गंभीर है, अफगानिस्तान सरकार के पतन के बाद महासागर में मादक पदार्थों की तस्करी मछली पकड़ने की नौकाओं के जरिये हो रही है।' लक्षद्वीप तट के पास खंले समुद्र से 1500 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद किये जाने के एक दिन बाद नौसेना प्रमुख ने यह बयान दिया। हाल ही में गुजरात तट के पास सक्रिय मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़ जांच एजेंसियों ने किया था। इसके पहले जांच एजेंसियों ने 20 मई को लक्षद्वीप तट के पास से 218 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी, जिसकी कीमत बाजार में 1500 करोड़ रुपये बतायी गई। नौसेना प्रमुख ने कहा कि मादक पदार्थ गुजरात पहुंचाने के लिए तस्कर मछली पकड़ने वाली नौका का इस्तेमाल करते हैं। कुछ तस्कर मादक पदार्थ पहले मालदीव और सेशेल्स के पास के समुद्र में ले जाते हैं और फिर वहां से नौका के जरिये इसे भेजने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के जवान समुद्र में किसी संदिग्ध नौका या पोत की गतिविधि पर लगातार नजर रखते हैं और तलाशी अभियान चलाते हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा, ह्यएक नौका की पूरी तरह जांच करने में करीब चार घंटों का समय लगता है, जबकि समुद्र में बड़ी तादाद में पोत और नौकाएं होती हैं। हमें खुफिया सूचना के आधार पर नौकाओं को चिह्नित करने की

जरूरत है।' नौसेना प्रमुख ने कहा कि नौसेना ने अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करके केवल पिछले साल 3000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थों को जब्त किया।

सरकार ने आधार कार्ड की 'फोटोकॉपी' साझा न करने का परामर्श लिया वापस

नई दिल्ली। सरकार ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के उस परामर्श को वापस ले लिया है जिसमें आम जनता को किसी भी संगठन के साथ अपने 'आधार' की फोटोकॉपी (प्रति) साझा करने को लेकर आगाह किया गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि वह आधार की फोटोकॉपी साझा नहीं करने के परामर्श वाली प्रेस विज्ञप्ति को वापस ले रहा है क्योंकि इसकी गलत व्याख्या हो सकती है। मंत्रालय ने कहा, 'प्रेस विज्ञप्ति में लोगों को सलाह दी गई थी कि वे किसी भी संगठन के साथ अपने आधार की प्रति साझा न करें क्योंकि इसका दुरुपयोग किया जा सकता है। इसकी जगह परआधार संख्या के सिर्फ अंतिम चार अंकों को दशार्ने वाले आधार (मास्कड आधार) का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें आधार संख्या के पहले आठ अंक छिपे रहते हैं और सिर्फ अंतिम चार अंक ही दिखते हैं। लेकिन इस विज्ञप्ति की गलत व्याख्या की आशंका को देखते हुए इसे तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है।' यूआईडीएआई के बेंगलुरु स्थित क्षेत्रीय कार्यालय की तरफ से जारी विज्ञप्ति में आम जनता से किसी भी संगठन के साथ अपने आधार की फोटोकॉपी साझा नहीं करने को कहा गया था। इसमें विकल्प के तौर पर आधार संख्या के अंतिम चार अंकों को प्रदर्शित करने वाले आधार का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई थी। मंत्रालय ने बयान में कहा कि यूआईडीएआई की तरफ से जारी आधार कार्डधारकों को केवल अपने आधार नंबर के इस्तेमाल एवं उसे दूसरे के साथ साझा करने में सहज विवेक का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। बयान में कहा गया कि आधार पहचान के सत्यापन की व्यवस्था ने आधार धारक की पहचान और गोपनीयता की रक्षा और सुरक्षा के लिए पर्याप्त बंदोबस्त किए हैं।

सार समाचार

कमला हैरिस बुफैलो में शोक सभा में शामिल हुईं, शोक संतप्त लोगों को सांत्वना दी

बुफैलो (अमेरिका)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में बुफैलो स्थित एक सुपरमार्केट में हाल में हुई गोलीबारी में दस लोग मारे गए थे और शनिवार को एक शव के अंतिम संस्कार के साथ ही मारे गए सभी लोगों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। शनिवार को 86 वर्षीय बुजुर्ग रुथ विटफील्ड का अंतिम संस्कार किया गया। उप राष्ट्रपति कमला हैरिस यहां के 'माउंट ओलीव बैप्टिस्ट चर्च' में अपने पति डॉउग एमॉफ के साथ शोकसभा में शामिल हुईं। हैरिस ने शोकसंतप्त लोगों को ढांढस बंधाया और अपने संबोधन में कहा कि यह वक्त है कि सारे अच्छे लोग उस अन्याय के खिलाफ एकजुट हो जाएं जो 14 मई को टाप्स फ्रेंडली मार्केट, टेक्सास के उवाल्दे में रॉब एलीमेंट्री स्कूल और गोलीबारी की अन्य घटनाओं के जरिए किया गया। उप राष्ट्रपति ने कहा, 'यह वक्त सभी लोगों के साथ आने, ईश्वर से प्रेम करने वाले लोगों के एकजुट होकर यह कहने का है कि हम इसका समर्थन नहीं करेंगे। बस बहुत हो चुका।' हैरिस का इस सभा को संबोधित करने का कोई कार्यक्रम तय नहीं था, लेकिन बैप्टिस्ट मंत्री एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता अल शार्पटन के आग्रह पर वह लोगों से मुखातिब हुईं। उप राष्ट्रपति और उनके पति एक स्मारक पर भी गए और उन्होंने मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की और प्रार्थना की। राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन ने भी 17 मई को यहां श्रद्धांजलि अर्पित की थी। बाद में पत्रकारों से बातचीत में हैरिस में कहा, 'प्रशासन शांत नहीं बैठेगा। हमें पता है कि इससे कैसे निपटना है।'

उत्तर कोरिया ने कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों को नरम करने की दिशा में कदम बढ़ाया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को एक बैठक के दौरान कड़े महामारी रोधी प्रतिबंधों में संशोधन पर चर्चा की। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने इस दावे को दोहराया कि देश में पहली बार आई कोविड-19 की लहर के प्रकोप में कमी आ रही है। उत्तर कोरिया के पोलित ब्यूरो की बैठक में सुझाव दिया गया कि इस महीने ओमीक्रोन के प्रकोप के बाद लगाये गये कठोर प्रतिबंधों में जल्द ही खाद्यान्न और आर्थिक स्थितियों से निपटने के लिहाज से ढील दी जाए। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने कहा कि बैठक के दौरान किम और ब्यूरो के अन्य सदस्यों ने 'देश भर में महामारी की स्थिति को नियंत्रित करने और बेहतर बनाने का सकारात्मक मूल्यांकन किया।' केसीएनए ने कहा कि ब्यूरो ने 'मौजूदा स्थिति को देखते हुए महामारी विरोधी नियमों और दिशानिर्देशों का प्रभावी ढंग से तथा जल्दी समन्वय करते हुए इन्हें लागू करने के मुद्दे का अध्ययन किया।' उत्तर कोरिया में रविवार को बुखार के लक्षणों वाले 89,500 नए रोगियों की सूचना मिली, जिससे देश में ऐसे रोगियों की संख्या कुल 34 लाख हो गई है। हालांकि, इसमें यह नहीं बताया कि कितने लोगों की संक्रमण से मौत हुई। देश में शुक्रवार को संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 69 थी और मृत्यु दर 0.002 प्रतिशत थी। कई बाहरी विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया स्पष्ट रूप से किम को राजनीतिक संकट से बचाने के लिए देश में मृत्यु दर को कम कर रहा है, जबकि मृतक संख्या इससे कहीं अधिक होने की आशंका है।

'भारतीय मूल के स्कूलों में जापानी छात्रों के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय भाषाओं में हिंदी, फ्रेंच शामिल'

सिंगापुर। तोक्यो में 'ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल' (जीआईआईएस) में जापानी छात्रों के बीच हिंदी और फ्रेंच सबसे अधिक लोकप्रिय विदेशी भाषाएं हैं। जीआईआईएस के एक प्रमुख सदस्य अतुल तेमुर्निकर ने यह जानकारी दी। छह देशों में जीआईआईएस के संस्थान हैं। सिंगापुर में 'ग्लोबल स्कूल्स फाउंडेशन' के सह-संस्थापक एवं अध्यक्ष तेमुर्निक ने कहा कि जापानी छात्र अपनी संस्कृति को बचाए रखते हुए एशियाई और पश्चिमी संस्कृतियों के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। उन्होंने जीआईआईएस में संबंधी पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ''सांस्कृतिक शिक्षा जापानी और प्रवासी छात्रों को विभिन्न संस्कृतियों के बारे में गहराई से जानने और अनुभव करने का अवसर देती है।' जीआईआईएस के 16 संस्थानों में 15,000 छात्र हैं। तेमुर्निकर ने जीआईआईएस ग्रेड पांच के एक जापानी छात्र का अनुभव साझा किया, जिसने इस सप्ताह की शुरूआत में जापान की दो दिवसीय यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोगों के साथ बातचीत के दौरान हिंदी में बात कर उन्हें चकित कर दिया था। छात्र रित्सुकी कोबायाशी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हिंदी में बात की और एक चित्र पर उनका ऑटोग्राफ मांगा जिसमें हिंदी, जापानी और अंग्रेजी में विवरण थे। प्रधानमंत्री इससे अभिभूत हुए और उन्होंने मुस्कुराते हुए छात्र से बात की। तेमुर्निकर ने कहा कि जापानी छात्रों के बीच हिंदी एक लोकप्रिय है और इसे कक्षा एक से 10 तक के दोनों पाठ्यक्रमों, 'सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन' ' और 'कैम्ब्रिज आईजीसीएसई' में पढ़ाया जाता है। उन्होंने जापानी छात्रों की भाषाई विविधता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत-जापान के लोगों के बीच संबंध लगभग एक सदी पुराने हैं। जीआईआईएस तोक्यो में 19 राष्ट्रों के छात्र पढ़ते हैं, जिनमें सबसे बड़ा समूह जापानी छात्रों का है। ये छात्र हिंदी, फ्रेंच, जापानी, संस्कृत, मंदारिन, अरबी और तमिल सहित 10 से अधिक भाषाएं सीखते हैं। तेमुर्निकर ने कहा कि संस्थान नियमित रूप से पर्व मसलन हिंदी दिवस, हिंदी प्रतियोगिता, हिंदी वाद-विवाद आदि आयोजित करता है और जापानीमें भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है।

भारत ने श्रीलंका के मछुआरों के लिए 15,000 लीटर केरोसिन भेजा

कोलंबो। भारत ने तमिल बहुत जाफना शहर में 700 मछुआरों एवं यांत्रिक नौका सेवाओं की मदद करने के लिए शनिवार को 15,000 लीटर केरोसिन श्रीलंका भेजा। नयी दिल्ली ने इससे एक दिन पहले कोलंबो को करीब 40,000 मीट्रिक टन पेट्रोल भेजा था। श्रीलंका इन दिनों सबसे गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। भारत ने पड़ोसी देश को ईंधन आयात में मदद पहुंचाने के लिए श्रीलंका को 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त सहायता दी थी। श्रीलंका हाल में अपने विदेशी मुद्रा भंडार में तीव्र गिरावट के बाद आयात का भुगतान करने के संघर्ष से जूझ रहा है। उसकी मुद्रा का अवमूल्यन हो गया है एवं देश में महंगाई आसमान छू रही है। जाफना में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने ट्वीट किया, 'श्रीलंका को भारतीय सहायता जारी है। डेल्फ्ट, नैनातिवू, इलवैतिवू और अनालितिवू के 700 मछुआरों को 15,000 लीटर केरोसिन का उपहार दिया गया। महावाणिज्य दूत श्री राकेश नटराज ने मात्स्यिकी मंत्री श्री डगलस देवानंद के साथ मिलकर वितरण शुरू किया, इस खेप का कुछ हिस्सा द्वीपों के बीच नौका सेवा में ईंधन के रूप में काम आएगा।' भारत ने शुक्रवार को श्रीलंका को उसके सबसे भयंकर आर्थिक संकट का मुकाबला करने में सहयोग पहुंचाने के अपने प्रयास के तहत उसे 700000 डॉलर से अधिक मूल्य की 25 टन चिकित्सा सामग्री सौंपी थी। भारत ने सोमवार को कहा था कि उसने श्रीलंका को करीब 40,000 मीट्रिक टन पेट्रोल की आपूर्ति की है और इससे कुछ दिन पहले ही उसने उसे ईंधन की गंभीर कमी से निपटने के लिए भारतीय ऋण सुविधा के तहत 40,000 मीट्रिक टन डीजल दिया था। पिछले सप्ताह भारत ने 9000 मीट्रिक टन चावल, 200 मीट्रिक टन दूध पाउडर, 24 मीट्रिक टन जीवनरक्षक दवाइयां श्रीलंका को भेजी थीं। शुक्रवार को श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा 'इस मुश्किल दौर' में उनके देश को दी जा रही सहायता के लिए तारीफ की थी।

पोलैंड में एलजीबीटी समुदाय के सदस्य एक रैली कर बराबरी का दर्जा देने की मांग करते हुए।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने चीन से उइगर नीति पर पुनर्विचार करने को कहा

बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बाचेलेट ने शनिवार को कहा कि उन्होंने चीन के शिनजियांग क्षेत्र में उइगर और अन्य मुस्लिम बहुल समूहों के लिए लागू किए गए आतंकवाद तथा कट्टरपंथ रोधी कदमों के प्रभाव के बारे में चीनी अधिकारियों के समक्ष चिंता जताई है। चीन के छह दिवसीय दौरे के तहत शिनजियांग का दौरा करने वालीं बाचेलेट ने कहा कि यह यात्रा किसी जांच के लिए नहीं थी बल्कि वरिष्ठ चीनी नेताओं के समक्ष चिंताओं को उठाने का अवसर था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत दायित्वों को पूरा करने में चीन का समर्थन करने तथा अधिक नियमित संवाद का मार्ग प्रशस्त करने का भी यह अवसर था। दौरे के अंतिम दिन उन्होंने वीडियो के जरिए संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'इस यात्रा ने मुझे चीन की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने का अवसर प्रदान किया। इसने चीन के अधिकारियों को हमारी चिंताओं को बेहतर ढंग से समझाने और संभावित रूप से उन नीतियों पर पुनर्विचार करने का अवसर प्रदान किया जिसके बारे में हमें लगता है कि मानवाधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।' चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी शिनजियांग में मानवाधिकारों के उल्लंघन संबंधी सभी खबरों को खारिज करती रही है। चीन ने संकेत दिया है कि वह अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करेगा। मानवाधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र की उच्चायुक्त के तौर पर 17 साल में चीन का पहली बार दौरा करने वालीं बाचेलेट ने कहा कि उन्होंने नजरबंदी शिविरों की प्रणाली पर गौर करने के लिए स्वतंत्र न्यायिक निरीक्षण की कमी का उल्लेख किया।

यूक्रेन को हथियार देने पर पुतिन ने जर्मनी और फ्रांस को दी चेतावनी इससे और बढ़ेगा संघर्ष

मास्को (एजेंसी)

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फ्रांसीसी और जर्मन नेताओं के साथ बातचीत में यूक्रेन को हथियारों की आपर्ति करने को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से बड़े पैमाने पर अस्थिरता पैदा हो सकती है। पुतिन ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रॉन और जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के साथ एक टेलीफोन पर बातचीत में यह टिप्पणी की, क्योंकि पश्चिमी देशों ने फरवरी के अंत में मॉस्को के सैन्य हमले के बाद यूक्रेन के लिए अपने सैन्य समर्थन को बढ़ा दिया है।

इसके साथ ही पुतिन ने अनाज के निर्बाध निर्यात के लिए विकल्पों की खोज को सुविधाजनक बनाने के लिए मॉस्को की तत्परता की भी घोषणा की। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू किया था। पश्चिमी देशों ने रूसी अधिकारियों और संस्थाओं पर अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाते हुए यूक्रेन को नकद और भारी हथियारों के साथ समर्थन करके रूसी सैन्य अभियान का जवाब दिया है। मॉस्को ने बार-बार चेतावनी दी है कि कीव को हथियारों की लगातार आपूर्ति केवल संघर्ष को बढ़ावा देगी। अपने एक बयान में क्रेमलिन ने कहा वार्ता की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया था, जो कीव की वजह से रुक गई है।

व्लादिमीर पुतिन ने पुष्टि की कि रूस वार्ता फिर शुरू करने के लिए तैयार है। रूसी नेता ने खाद्य आपूर्ति के साथ कठिनाइयों के कारणों के बारे में बताया जो पश्चिमी देशों की गलत आर्थिक नीति का परिणाम है। क्रेमलिन ने कहा अपने हिस्से के लिए, रूस अनाज के निर्बाध निर्यात के विकल्प खोजने में मदद करने के लिए तैयार है, जिसमें काला सागर बंदरगाहों से यूक्रेनी अनाज का निर्यात भी शामिल है।

इससे पहले पुतिन ने इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी से बातचीत में कहा था कि रूस अनाज और खाद के निर्यात के जरिए खाद्य संकट से उबरने में मदद के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए राजनीति से प्रेरित प्रतिबंधों को हटाया जाए।

इस बीच, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अपने दैनिक खुफिया अपडेट में कहा है कि रूसी सेना ने डोनेट्स्क क्षेत्र के ज्यादातर लाइमैन शहर पर कब्जा कर लिया है, जो मॉस्को के डोनबास हमले के अगले चरण के लिए एक अग्रदूत साबित हो सकता है। लाइमैन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सिवरस्की डोनेट नदी पर महत्वपूर्ण रेल और सड़क पुलों तक पहुंच प्रदान करता है। मंत्रालय ने कहा कि आने वाले दिनों में, क्षेत्र में रूसी इकाइयों को नदी पार करने के लिए मजबूर करने को प्राथमिकता देने की संभावना है।

रूस ने छोटे शहरों को कब्जे में लिया, पूर्वी यूक्रेन में लड़ाई का दायरा बढ़ाना लक्ष्य

क्रामातोर्स्क (यूक्रेन)। (एजेंसी)

संपूर्ण पूर्वी यूक्रेन पर कब्जा करने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के रूसी दावे के बीच राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों द्वारा पाबंदियां लगाकर तथा यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति कर उनके देश को दंडित करने के संकल्प को शनिवार को डिगाने का प्रयास किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी सैनिकों एवं क्रेमलिन समर्थित अलगाववादियों के संयुक्त दल ने दूसरे छोटे शहर लीमान को 'पूरी तरह' से मुक्त करा लिया है। इन अलगाववादियों ने रूस से सटे औद्योगिक क्षेत्र डोनबास में आठ साल पहले लड़ाई शुरू की थी। इस बीच, यूक्रेन की रेल प्रणाली ने पूर्व में स्थित एक अहम रेल केंद्र लीमान में हथियार पहुंचाए हैं और वहां से लोगों को निकाला है। लीमान पर कब्जे का मतलब है कि रूसी सेना को इस क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी मिलेगी। इस क्षेत्र में सैनिकों के लिए सिवरस्की डोनेत्स नदी को पार करने और उन्हें सैन्य साजोसामान पहुंचाने की खातिर कई पुल मौजूद हैं। यह नदी ही रूसी सेना के लिए डोनबास में आगे बढ़ने में अब तक अड़चन बनी हुई है। यूक्रेन के अधिकारियों की लीमान पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं थीं। शुक्रवार को डोनेत्स्क के गवर्नर पावलो कीरीलेंको ने कहा कि रूसी सैनिकों ने उसके ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा कर लिया है और वे अब इस क्षेत्र के अन्य शहर बाखमूट की ओर बढ़ने की कोशिश में हैं। हालांकि, शनिवार को यूक्रेन के उप रक्षा मंत्री हन्ना मायला ने रूस के इस दावे का खंडन किया कि लीमान उसके कब्जे में आ गया है। उन्होंने कहा कि लड़ाई अभी भी चल रही है। शनिवार को एक वीडियो संबोधन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पूर्वी क्षेत्र की स्थिति को 'बहुत जटिल' करार दिया। उन्होंने कहा कि रूसी सेना वहां अपने प्रयास तेज कर कुछ न कुछ परिणाम हासिल करने में जुटी है। इस बीच, क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन ने शनिवार को फ्रांस और जर्मनी के नेताओं के साथ फोन पर 80 मिनट तक बातचीत की और उन्हें यूक्रेन को लगातार हाथियार देने के खिलाफ चेताया।

इमरान खान को अपना 'आजादी मार्च' अचानक खत्म करने के लिए मनाया गया : खबर

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के एक पूर्व प्रधान न्यायाधीश, एक सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और एक प्रमुख कारोबारी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राजी किया था कि वह अपनी पार्टी के लंबे मार्च के अंत में इस्लामाबाद में धरना का आयोजन नहीं करें। मीडिया की एक खबर में शनिवार को यह कहा गया। खान ने इस्लामाबाद में धरना देने की घोषणा के साथ देश में नए सिरे से चुनाव के लिए दबाव बनाने की खातिर अपना 'आजादी मार्च' 25 मार्च को शुरू किया था। लेकिन बाद में उन्होंने इसे यह कहते हुए वापस ले लिया कि सरकार खुश होगी अगर वह अपने इस इरादे पर आगे बढ़ेंगे क्योंकि यह लोगों, पुलिस और सेना के बीच टकराव का कारण बन सकता है। खान के मार्च के बाद धरना नहीं देने की घोषणा से उनके समर्थकों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों को हैरानी हुई। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार एक चीज पर सब सहमत हैं - जिस तरह से यह सब समाप्त हुआ, कम से कम अभी के लिए, यह स्पष्ट संकेत देता है कि इसे किसने किया। एक सूत्र के हवाले से खबर में कहा गया है कि जिन लोगों ने बीचबचाव किया उनमें एक पूर्व प्रधान न्यायाधीश, एक प्रमुख कारोबारी और एक सेवानिवृत्त जनरल शामिल थे। सूत्र ने कहा, 'इमरान खान की जिद और इस तथ्य को देखते हुए कि उन्होंने मार्च धरना के लिए काफी तैयारी की थी, उन्हें मनाना आसान काम नहीं था।'खबर के मुताबिक सुलह के घटनाक्रम का ब्योरा दिए बिना सूत्र ने कहा कि बुधवार देर रात और संभवतः बृहस्पतिवार तड़के तक बातचीत जारी रही।

टीटीपी आतंकवादी समूह पाकिस्तान की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा: सुरक्षा परिषद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक रिपोर्ट में अफगानिस्तान आधारित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से पाकिस्तान की सुरक्षा को लगातार खतरे की ओर ध्यान आकृष्ट किया है गया और कहा गया है कि खूंखार आतंकी संगठन के साथ चल रही शांति प्रक्रिया के सफल होने की संभावनाएं क्षीण हैं। तालिबान प्रतिबंध समिति 1988की निगरानी टीम की वार्षिक रिपोर्ट में अफगान-तालिबान के साथ टीटीपी के संबंधों का उल्लेख किया गया है और यह बताया गया है कि पिछले साल गनी शासन के पतन से इस समूह को कैसे फायदा हुआ और इसने अफगानिस्तान से संचालित अन्य आतंकवादी समूहों के साथ अपने संबंध कैसे जोड़े। पाकिस्तान के डॉन अखबार के मुताबिक, रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंधित टीटीपी में अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी इलाकों में 4,000 लड़ाके हैं तथा वहां इसने विदेशी लड़ाकों का सबसे बड़ा समूह बना लिया है। पिछले साल अगस्त में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से समिति के लिए टीम की यह पहली रिपोर्ट है। रिपोर्ट में तालिबान की आंतरिक राजनीति, उसके वित्तीय मामलों, अलकायदा, दाएश और अन्य आतंकवादी समूहों के साथ इसके संबंधों तथा सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय प्रकाशित हुई जब पिछले बृहस्पतिवार को पाकिस्तान सरकार और टीटीपी के बीच तीसरे दौर की बातचीत की शुरूआत हुई।

पिछले साल नवंबर में हुई पहले दौर की वार्ता के परिणामस्वरूप एक महीने का संघर्षविराम हुआ था, लेकिन बाद में टीटीपी ने पाकिस्तान पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए संघर्षविराम खत्म कर दिया था। टीटीपी ने बाद में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ हमले फिर से शुरू कर दिए। पाकिस्तान इंस्टिट्यूट ऑफ पीस स्टडीज द्वारा सारणीबद्ध किए गए आंकड़े बताते हैं कि इस साल, आतंकवादी समूह ने लगभग 46 हमले किए, जिनमें ज्यादातर कानून प्रवर्तन कर्मियों के खिलाफ थे और इनमें 79 लोग मारे गए। टीटीपी 2008 में अपनी स्थापना के बाद से ही पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के साथ संघर्ष कर रहा है, ताकि देश में शरिया कानूनों को लागू करने के लिए दबाव डाला जा सके।

हालांकि, संघर्ष समाप्त करने के लिए पाकिस्तान सरकार के साथ बातचीत के लिए अफगान तालिबान द्वारा समूह पर दबाव डाला जा रहा है। वार्ता के नवीनतम दौर में पाकिस्तान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 30 मई को समाप्त हो रहे संघर्षविराम को आगे बढ़ाने की है। हालांकि पाकिस्तानी पक्ष ने बातचीत पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि समूह (टीटीपी) पाकिस्तान सरकार के खिलाफ एक दीर्घकालिक अभियान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है , जिसका अर्थ है कि संघर्षविराम समझौतों की सफलता की सीमित संभावना है।

लापता हुआ नेपाली विमान का मिला सुराग, चार भारतीयों समेत 22 लोग थे सवार

काठमांडू। (एजेंसी)

नेपाल सेना के एक हेलीकॉप्टर ने खराब मौसम होने के बावजूद उस स्थान का संभवतः पता लगा लिया है, जहां एक स्थानीय विमानन कंपनी का एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। मीडिया में आई खबरों में रविवार को देश के नागर विमानन प्राधिकरण के हवाले से यह जानकारी दी। नेपाल के पर्यटन शहर पोखरा से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र में रविवार को लापता हुए विमान में मुंबई के रहने वाले एक परिवार के चार सदस्यों समेत 22 लोग सवार थे।

'तारा एयर' विमानन कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि 'ट्विन ओट्टर 9एन-एईटी' विमान ने पोखरा से पूर्वाह्न करीब 10 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन 15 मिनट बाद ही उसका नियंत्रण टॉवर से संपर्क टूट गया। 'माय रिपब्लिका' समाचार पत्र ने बताया कि 10 सैनिकों और नागर विमानन प्राधिकरण के दो कर्मियों को लेकर नेपाल थल सेना का एक हेलीकॉप्टर नरसिंह मठ के निकट एक नदी के तट पर उतरा, जो दुर्घटना का संभावित स्थल है। समाचार पत्र ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के महाप्रबंधक प्रेमनाथ ठाकुर के हवाले से कहा, 'नेपाल सेना का एक हेलीकॉप्टर नरसिंह गुंबा के निकट नदी के तट पर उतरा है।' दिलचस्प बात यह है 'नेपाल टेलीकॉम' ने 'ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम' (जीपीएस) नेटवर्क के माध्यम से यह पता लगाया कि विमान के पायलट कैप्टन प्रभाकर घिमिरे का मोबाइल फोन कहां है, जिसके बाद विमान का पता लगाया गया।

ठाकुर ने कहा, 'लापता विमान के कैप्टन घिमिरे के मोबाइल फोन की घंटी बज रही है और नेपाल टेलीकॉम द्वारा यह पता लगाने के बाद कि फोन कहां है, नेपाल सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटना के संभावित स्थल पर उतर गया।' उन्होंने कहा, 'हमने नेपाल सेना और नेपाल पुलिस के कर्मियों को विमान की तलाश के लिए जमीनी मार्ग से भेजा है।' विमानन कंपनी के प्रवक्ता सुदर्शन बरतौला ने बताया कि विमान में चार भारतीय, दो जर्मन और 13 नेपाली यात्रियों के अलावा चालक दल के तीन नेपाली सदस्य सवार थे। नेपाल में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, 'तारा एयर उड़ान 9एनएईटी ने आज पूर्वाह्न नौ बजकर 55 मिनट पर पोखरा से उड़ान भरी थी। इसमें चार भारतीयों समेत 22 लोग सवार थे। यह विमान लापता हो गया है। तलाश और बचाव अभियान जारी है। दूतावास उनके परिवारों के संपर्क में है।' दूतावास ने अपना आपात हॉटलाइन (संपर्क) नंबर भी मुहैया कराया है।

विमानन कंपनी ने यात्रियों की सूची जारी की है, जिसमें भारतीयों की पहचान अशोक कुमार त्रिपाठी, धनुष त्रिपाठी, ऋतिका त्रिपाठी और वैभवी त्रिपाठी के रूप में की गई है। विमानन सूत्रों ने बताया कि विमान को पश्चिमी पर्वतीय इलाके में जोमसोम हवाई अड्डे पर उतरना था, लेकिन पोखरा-जोमसोम हवाई मार्ग पर घोरेपानी के ऊपर आसमान में विमान का टॉवर से संपर्क टूट गया। जोमसोम हवाई अड्डे में एक हवाई यातायात नियंत्रक के अनुसार, जोमसोम के घासा में एक जोरदार आवाज सुनाई देने की अपुष्ट खबर मिली है।

विमानन कंपनी के सूत्रों ने बताया कि पोखरा-जोमसोम मार्ग पर इस समय बादल छाए हुए हैं और बारिश हो रही है, जिसके कारण तलाश अभियान प्रभावित हो रहा है। इससे पहले, देश के गृह मंत्री बाल कृष्ण खंड ने प्राधिकारियों को लापता विमान का पता लगाने के लिए तलाश अभियान तेज करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि विमान को आखिरी बार धौलागिरि पर्वत चोटी की ओर मुड़ते देखा गया था।

विमानन कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, तारा एयर नेपाली पर्वतीय इलाकों में संचालित होने वाली सबसे नयी एवं सबसे बड़ी सेवा प्रदाता कंपनी है। उसने ग्रामीण नेपाल विकसित करने के मिशन के साथ 2009 में कारोबार शुरू किया था।

सुविचार आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें। - महात्मा गांधी

संपादकीय

मर्ज़ से अंजान

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च व नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इन्फॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च का वह हालिया अध्ययन आंख खोलने वाला है, जिसमें कहा गया है कि 72 फीसदी हाइपरटेंशन पीड़ित अपनी बीमारी के प्रति अंजान रहे। यह बात भी कम चौंकाने वाली नहीं है कि देश में 28 फीसदी भारतीय वयस्क उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। रिपोर्ट इस मायने में भी सचेतक है कि दिल के रोगों की बड़ी वजह उच्च रक्तचाप है। बेहद चिंता की बात यह भी कि देश में 28 फीसदी मौतें हृदय रोगों के कारण होती हैं। ऐसे में 2025 तक इस बीमारी से निपटने के लक्ष्य को पाना एक बड़ी चुनौती होगी। निस्संदेह आईसीएमआर-एनसीडीआईआर, बेंगलुरू का यह अध्ययन आंख खोलने वाला है और आधुनिक जीवनशैली की विसंगतियों के कारण महामारी का रूप धारण करते उच्च रक्तचाप पर काबू पाने की जरूरत पर बल देता है। अध्ययन में इस घातक रोग के प्रति महज 27 फीसदी लोगों का जागरूक होना बताता है कि हम स्वास्थ्य की इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लेते। हम तब जागते हैं जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। अध्ययन में शामिल लोगों में से महज चौदह फीसदी का इलाज करवाना बताता है कि इस गंभीर चुनौती को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाना वक्त की जरूरत है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि उच्च रक्तचाप महानगरीय जीवन शैली की ही देन है क्योंकि रोग का असर ग्रामीण इलाकों में शहरों के 34 फीसदी के मुकाबले 25 फीसदी है। वहीं पीड़ित लोगों का भारतीय चिकित्सा पद्धति व वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों पर विश्वास नहीं जग पाया है क्योंकि 99.6 फीसदी पीड़ित एलोपैथिक दवाएं ले रहे हैं। साथ ही सरकारी चिकित्सा पद्धति पर भी भरोसा नहीं जम पाया क्योंकि उच्च रक्तचाप से पीड़ित 80 फीसदी मरीज प्राइवेट अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं। अच्छी बात यह भी है कि महिलाओं में उच्च रक्तचाप का रोग पुरुषों के मुकाबले कम पाया गया। कमोबेश ऐसी ही स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में भी है। वहीं भौगोलिक आधार पर देखें तो मध्य भारत में रोग कम प्रभावी है, जबकि उत्तर व दक्षिण भारत में वयस्कों के पीड़ित होने की दर ज्यादा है, जो बताता है कि तापमान व परिवेश केंद्रित जीवनशैली की भी इसमें भूमिका है। चिंताजनक यह है कि उच्च रक्तचाप के पीड़ित रोग के प्रति गंभीर नहीं होते। देखिए कि 47 फीसदी लोगों ने कभी अपने रक्तचाप की जांच ही नहीं करवायी। जबकि पचास से सत्तर आयु वर्ग के लोग जांच के साथ उपचार का सहारा भी ले रहे हैं। सर्वमान्य निष्कर्ष के क्रम में महिलाएं जांच करवाने के मामले में यहां भी पीछे हैं। टकसाली सत्य है कि उच्च रक्तचाप हमारी जीवन शैली की विसंगतियों की देन है। निस्संदेह, वक्त के साथ कार्य परिस्थितियां जटिल हुई हैं। खासकर निजी क्षेत्र में युवा कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। काम की अवधि और कम समय में अधिक हासिल करने की होड़ युवाओं को उच्च रक्तचाप की दलदल में धकेल रही है। वहीं हमारे जीवन में फास्टफूड व तली-भूनी चीजों की प्रचुरता, तीक्ष्ण खानपान-पेय तथा पर्याप्त नींद न लेना भी उच्च रक्तचाप की वजह है। हमारे परिवेश में बहुत कुछ ऐसा है जो हमें आवेश व आवेग की लय में ले जाता है। इंटरनेट व मोबाइल पर देर रात तक लगे रहना हमारी प्राकृतिक नींद में बाधक है। हमारे पूर्वज जो गुणवत्ता का भोजन, समय पर भोजन, समय पर सोने और सूर्योदय से पहले जागने की नसीहत देते थे, उसका सीधा संबंध हमारे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य से था। हमारी अनियंत्रित इच्छाएं और विलासिता का जीवन भी कालांतर हाइपरटेंशन की वजह बनता है। महत्वपूर्ण यह भी कि हम जीवन में सहजता व सरलता को खोते जा रहे हैं। कृत्रिम व्यवहार हमें कई तरह के तनाव देता है। जो कालांतर उच्च रक्तचाप की वजह बनता है। जीवन में शारीरिक श्रम का विलोपन भी हमारे अस्वस्थ होने की बड़ी वजह है। ऐसे में प्राकृतिक चिकित्सा व नियमित योग से हम उच्च रक्तचाप को नियंत्रित कर सकते हैं।

आज के कार्टुन

संतोष

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक बार की बात है। एक गांव में एक महान संत रहते थे। स्वयं का आश्रम बनाना चाहते थे जिसके लिए कई लोगों से मुलाकात करते थे। और उन्हें एक जगह से दूसरी जगह यात्रा के लिए जाना पड़ता था। इसी यात्रा के दौरान एक दिन उनकी मुलाकात एक साधारण सी कन्या विदुषी से हुई। विदुषी ने उनका बड़े हर्ष से स्वागत किया और संत से कुछ समय कुटिया में रुक कर विश्राम करने की याचना की। संत ने उसका आग्रह स्वीकार किया। विदुषी ने संत को स्वादिष्ट भोज कराया। उनके विश्राम के लिए खटिया पर दरी बिछा दी। खुद धरती पर टाट बिछा कर सो गई। विदुषी को सोते ही नींद आ गई। संत को खटिया पर भी नींद नहीं आ रही थी। उन्हें मोटे नरम गद्दे की आदत थी जो उन्हें दान में मिला था। वो रात भर चैन की नींद नहीं सो सके। सोच रहे थे कि वो कैसे इस कठोर जमीन पर इतने चैन से सो सकती हैं। दूसरे दिन सवेरा होते ही संत ने विदुषी से पूछा कि तुम कैसे इस कठोर जमीन पर इतने चैन से सो रही थी। तब विदुषी ने बड़ी ही सरलता से उत्तर दिया, हे गुरु देव! मेरे लिए मेरी ये छोटी सी कुटिया महल के समान ही भव्य है। इसमें मेरे श्रम की महक हैं। अगर मुझे एक समय भी भोजन मिलता हैं तो मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। जब दिन भर के कार्यों के बाद धरा पर सोती हूं तो मां की गोद का आत्मीय अहसास होता हैं। दिन भर के अपने सत्कर्मो का विचार करते हुए चैन की नींद सो जाती हूं। मुझे अहसास भी नहीं होता कि मैं इस कठोर धरा पर हूं। यह सब सुनकर संत जाने लगे। तब विदुषी ने पूछा, हे गुरुवर! क्या मैं भी आपके साथ आश्रम के लिए धन एकत्र करने चल सकती हूं? तब संत ने विनम्रता से उत्तर दिया, बालिका! तुमने जो मुझे आज ज्ञान दिया है, उससे मुझे पता चला कि मन का सच्चा सुख कहां है। अब मुझे किसी आश्रम की इच्छा नहीं रह गई। यह कहकर संत अपने गांव लौट गए और एकत्र किया धन गरीबों में बांट दिया और स्वयं एक कुटिया बनाकर रहने लगे। जिसके मन में संतोष नहीं है, सब्र नहीं है, वह लाखों करोड़ों की दौलत होते हुए भी खुश नहीं रह सकता। बड़े-बड़े महलों, बंगलों में मखमल के गद्दों पर भी उसे चैन की नींद नहीं आ सकती। उसे हमेशा और ज्यादा पाने का मोह लगा रहता है। इसके विपरीत जो अपने पास जितना है उसी में संतुष्ट है, जिसे और ज्यादा पाने का मोह नहीं है, वह कम संसाधनों में भी खुशी से रह सकता है।

लाउडस्पीकर्स की आड़ में,बाकी सभी ज्वलंत मुद्दे भाड़ में

(लेखक-- विनोद तकिया वाला)

प्रकृत्ति के बदलते परिवेश में गोलोबल वार्मिग में प्रदुषण रूपी दानव नें ताड़व मचा रखाहै। प्रदुषण की श्रेणी में हवा प्रदुषण ' जल प्रदुषण,ध्वनि प्रदूषण है जो श्रृष्टि के विनाश के लिए जिम्मेदार है।समय समय पर प्रदुषण रूपी राक्षस को रोकने के लिए माननीय न्यायालय को दिशा निर्देश जारी करना पड़ता है।प्रदुषण के श्रेणी में ध्वनि प्रदुषण को लेकर चिन्ता व चिन्तन का दौर से सम्पूर्ण देश दर्दनाक दौर से गुजर रहा है। आज मै आप के समक्ष सता के गलियारो में लाउडस्पीकर की गर्जना से उपन्न ध्वनि प्रदूर्षण के बारे चर्चा करने वाला है।ध्वनि प्रदुषण की गुंज उत्तर प्रदेश के बाद अब देश की राजधानी दिल्ली में भी राजनीति ने तूल पकड़ लिया है।विगत दिनों भाजपा के सांसद प्रवेश वर्मा द्वारा दिल्ली के उपराज्यपाल और तीनों नगर निगमों को पत्र लिखे जाने के बाद अब दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने भी इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है. आदेश गुप्ता ने अपने पत्र में मांग की है कि राजधानी दिल्ली में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार सभी धार्मिक स्थलों व अन्य जगहों पर लगे लाउडस्पीकर को तुरंत हटाया जाए क्योकि लाउडस्पीकर ध्वनि प्रदूषण का प्रमुख कारण हैं, जिससे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और लोगों को परेशानी होती है। दिल्ली में लाउडस्पीकर पर मचे विवाद को लेकर राजनीति ने तुल पकड़ लिया है।इसमें अब दिल्ली बीजेपी भी कूद गई है।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा पूरे मामले पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी किए गए निर्देशों के आधार पर राजधानी में सभी धार्मिक स्थानों से लाउडस्पीकर्स हटाने की कार्रवाई करने की मांग की गई है।उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर के आधार दिल्ली सरकार बिना तुष्टीकरण के दिल्ली में सभी धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर्स हटाने की कार्रवाई शुरू करे। पूरे देश भर में इन दिनों धार्मिक स्थानों पर लगे लाउडस्पीकर को लेकर जमकर राजनीति हो रही है ।पहले उत्तर प्रदेश और फिर महाराष्ट्र और दिल्ली में भी इस पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है। दिल्ली के अंदर भी लाउडस्पीकर के मामले को लेकर सियासी दलों की खींचतान शुरू हो गई है। लाउडस्पीकर्स को हटाने को लेकर दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष आदेश गुप्ता की पीसीइस सबके बीच मंगलवार सुबह दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पूरे मामले पर मीडिया के सामने आकर बातचीत की। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि फ्रवर्तमान समय में राजधानी दिल्ली के अंदर चाहे वह वायु प्रदूषण,जल प्रदूषण या फिर ध्वनि प्रदूषण हो सब अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है. जिस पर अब लगाम लगाना आवश्यक है. आज देश के कई राज्यों में ध्वनि प्रदूषण पर लाउडस्पीकर को लेकर न सिर्फ गंभीर चर्चा हो रही है बल्कि कुछ राज्यों में लाउडस्पीकर पर रोक भी लगा दी गई है।इस तरह के फैसले का नागरिकों ने भी स्वागत किया है।लाउडस्पीकर के शोर के चलते पढ़ने वाले छात्रों-छात्राओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को तकलीफ का सामना करना पड़ता है।सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो दिशा-निर्देश दिए गए हैं उसके तहत राज्य सरकारों को ही निर्धारित करना है कि सभी धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाए जाएं।देश के अंदर बहुसंख्यक समाज ने लाउडस्पीकर्स पर रोक लगाए जाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गंभीरता से लेने के साथ उसका समर्थन किया है। लाउडस्पीकर्स हटाने की कार्रवाई शुरू करे।अगर लाउडस्पीकर्स बजाने भी हैं कोई तो उसके लिए प्रशासन से पहले इजाजत लेना अनिवार्य है।जब दुबई और इंडोनेशिया जैसे देशों में लाउडस्पीकर्स पर रोक लगा दी गई है तो दिल्ली में क्यों नहीं लगाई जा सकती है।गुप्ता ने इस प्रकरण पर दिल्ली सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो आदेश जारी किये गए हैं उसमें संस्थानों, बैंक्विट हॉल और अन्य बंद जगहों पर लाउडस्पीकर बजाने के मद्देनजर समय को निर्धारित किया गया है,लेकिन मस्जिदों को लेकर कोई भी जिक्र नहीं किया गया है।दिल्ली सरकार तुष्टीकरण की नीति छोड़ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का करे। कानून की नजर में लाउडस्पीकर्स का विरोध; सुप्रीम कोर्ट अपना रुख स्पष्ट कर चुका है।माननीय न्यालाय के द्वारा जबरन ऊंची आवाज नागरिको के मौलिक अधिकार का उल्लंघन मौजूदा वक्त में मस्जिदों में लाउडस्पीकर्स बजाने को लेकर उपजे विवाद ने सियासी रंग अख्तियार कर लिया है लेकिन इसके वैज्ञानिक और कानूनी पहलू भी हैं जिसको नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। आप को बता दे कि ध्वनि प्रदूषण पर क्याो कहता है हमारा कानून । सुप्रीम कोर्ट ध्वनि प्रदूषण पर रोक के मामले में दिए अपने फैसले में कह चुका है कि जबरदस्ती ऊंची आवाज यानी तेज शोर सुनने को मजबूर करना मौलिक अधिकार का दुसरे को भी शांति से रहने का अधिकार है और यह अधिकार जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। लाउडस्पीकर्स या तेज आवाज में अपनी बात कहना अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार में आता है,लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी जीवन के अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती। किसी को भी शोर करने का अधिकार नहीं है जिससे उसके घर से बाहर जाकर पड़ोसियों और अन्य लोगों के लिए परेशानी पैदा करे। माननीय न्यायालय ने कहा था कि शोर करने वाले अक्सर अनुच्छेद 19(1)ए में मिली अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार की शरण लेते हैं। लेकिन कोई भी व्यक्ति लाउडस्पीकर चालू कर इस अधिकार का दावा नहीं कर सकता। हमारा संविधान अगर किसी के पास बोलने का अधिकार है तो दूसरे के पास सुनने या सुनने से इन्कार करने काअधिकार है। लाउडस्पीकर से जबरदस्ती शोर सुनने को बाध्य करना दूसरों के शांति और आराम से प्रदूषणमुक्त जीवन जीने के अनुच्छेद-21में मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।अनुच्छेद 19(1)ए में मिला अधिकार अन्य मौलिक अधिकारों को हतोत्साहित करने के लिए नहीं है। एक अंहम फैसले में कोर्ट ने आदेश दिया था कि सार्वजनिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज उस क्षेत्र के लिए तय शोर के मानकों से 10 डेसिबल (ए) से ज्यादा नहीं होगी या फिर 75 डेसिबल (ए) से ज्यादा नहीं होगी, इनमें से जो भी कम होगा वही लागू माना जाएगा।जहां भी तय मानकों का उल्लंघन हो,वहां लाउडस्पीकर व उपकरण जब्त करने के बारे में राज्य प्रविधान करे।आप को बना दे कि ध्वनि के तय मानक है।न्यायलय केआदेश तब तक लागू रहेंगे जब तक कोर्ट स्वयं इसमें बदलाव न करे या इस बारे में कानून न बन जाए।ज्ञात्वय रहे कि डेसिबल ध्वनि की तीव्रता मापने का मानक है। पर्यावरण संरक्षण कानून,1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने और तय मानकों के उल्लंघन पर सजा के प्रविधान दिए गए हैं। इसके तहत ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियम, 2000 बने हैं जिनमें ध्वनि के मानक तय हैं। सार्वजनिक स्थल पर लाउडस्पीकर्स के लिए पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से इजाजत लेनी पड़ती है। लोकसभा सांसद नवनीत कौर राणा की याचिका पर जुलाई में सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट,जानें क्यान है पूरा मामला विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक समारोह में रात 10 से 12 बजे तक लाउडस्पीकर बजाने के लिए विशेष इजाजत की जरूरत होती है जो अधिकतम 15 दिन के लिए ही मिल सकती है और आवाज की अधिकतम सीमा 75 डेसिबल हो सकती है।लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में ध्वनि प्रदूषण के मामले में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से पेश होते रहे वरिष्ठ वकील विजय पंजवानी कहते हैं कि कानून में ध्वनि की सीमा उल्लंघन पर धारा 15 में सजा का प्रविधान है, लेकिन ये प्रभावी ढंग से लागू नही होती।नियम का उल्लंघन पर पांच साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक जुर्माने की सजा हो सकती है।लगातार उल्लंघन पर 5,000 रुपये रोज जुर्माने का प्रविधान है। ध्वनि प्रदूषण पर पुलिस परिसर में घुसकर लाउडस्पीकर्स जब्त कर सकती है।

फिलहाल आप से यह कहते हुए विदा लेते है कि 'ना ही काहुँ से दोस्ती ' ना ही काहूँ से बैर । खबरी लाल तो मांगे, सबकी खैर ॥

संवैधानिक कसौटी पर खरा उतरे महिला आरक्षण

जगमति सांगवान

हरियाणा में लंबे इंतजार के बाद लोकतंत्र की सबसे बुनियादी इकाई पंचायतों के चुनाव अब हो सकते हैं। अभी भी हाईकोर्ट ने नए नियमों से चुनाव करवाने को सशर्त मंजूरी दी है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि शंकर झा व जस्टिस अरुण पल्ली ने हरियाणा सरकार का नए नियम के तहत चुनाव कराने का आग्रह तो मान लिया है मगर शर्त लगाई है कि नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई जारी रहेगी। यानी अगर सरकार नए नियमों के तहत चुनाव कराती है और हाईकोर्ट इन नियमों को अमान्य करार देता है तो चुनाव रद्द माने जाएंगे और दोबारा करवाने पड़ेंगे। दूसरा विकल्प सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में उस फैसले के खिलाफ याचिका लगाने का होगा। चुनाव को दो चरणों में करवाने की भी सरकार ने मंशा जाहिर की है। यह अंतरिम मंजूरी संवैधानिक और प्राकृतिक न्याय की दृष्टि से कानून सम्मत नहीं कही जा सकती क्योंकि यह महिलाओं को पचास फीसदी सीटों पर चुनाव लड़ने से वंचित करती है। यदि यही करना था तो पूरे प्रदेश को डेढ़ साल तक चुने हुए प्रतिनिधियों से वंचित क्यों रखा गया? महिला संगठनों ने तो उसी समय यह आवाज उठाई थी कि जिसे महिलाओं के लिए पचास प्रतिशत आरक्षण बताया जा रहा है वह असल में पुरुषों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण है, जिसकी हमारा संविधान इजाजत नहीं देता। चुनाव में देरी का एक कारण कोरोना वायरस तो दूसरी तरफ बड़ा कारण हरियाणा सरकार द्वारा 2020 में पंचायती राज द्वितीय संशोधन अधिनियम पास करवाना है। इसमें महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। आरक्षण के प्रावधानों को जिस प्रकार लागू करने का हरियाणा सरकार ने नोटिफिकेशन किया उसके खिलाफ 15 अप्रैल, 2021 को हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। ऐसी करीब 13 याचिकाएं हाईकोर्ट में लगी हुई हैं। ये याचिकाएं इस आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं बल्कि आरक्षण के प्रावधान को लागू करने की जिस प्रकार की प्रक्रिया एक्ट में अपनाई गई है उसके खिलाफ हैं। दरअसल, संशोधित एक्ट को गलत तरीके से दर्ज करते हुए महिलाओं को सिर्फ 50 प्रतिशत सीटों पर ही चुनाव लड़ने की इजाजत दी गई है। जबकि संविधान की आरक्षण को लेकर भावना यह है कि आरक्षण एक न्यूनतम संख्या निर्धारित करता है इसके अलावा अगर आरक्षित कैटेगरी के उम्मीदवार सामान्य कोटा में भी चुनाव लड़ना चाहें तो उन्हें रोका नहीं जा सकता। वर्तमान संशोधन 2021 ऐसा करता है। हरियाणा की सरकारों व नौकरशाहों का पहले भी ऐसा रवैया रहा है। वर्ष 2006 में तत्कालीन सरकार द्वारा स्कूल अध्यापिका-अध्यापक स्तर पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था। उसे लागू करने में भी खास यही प्रवृत्ति दिखाई गई थी। यानी वास्तव में पुरुषों के लिए 67 प्रतिशत का प्रावधान किया गया था जबकि उस विभाग में पहले ही 44 प्रतिशत महिलाएं काम कर रही थीं। फिर प्रभावित मेरिटोरियस महिलाएं व सैकड़ों परिवार हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने को मजबूर हुए थे। हाईकोर्ट ने आरक्षण को इस प्रकार लागू करने के तरीके को संविधान की आरक्षण की मूल भावना के खिलाफ करार दिया था परंतु उन परिवारों का अच्छा-खासा पैसा, शारीरिक ऊर्जा व चैन बेवजह ही खर्च हुए थे। वर्ष 2020 में वही सीन सामने आता है। 2020 में जब पंचायती राज कानून द्वितीय संशोधन में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण एक्ट में आया तो उसमें इस पहलू को और गौर से देखने की कोशिश की गई क्योंकि आशंका थी। पहले भी हरियाणा सरकार शिक्षा की योग्यता जैसी अलोकतांत्रिक शर्त लगा कर आधे से ज्यादा अशिक्षित व कम शिक्षित नागरिकों को चुनाव लड़ने के अयोग्य करार देकर स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक प्रणाली पर कुठाराघात कर चुकी है। इस प्रकरण में भी हू-ब-हू वही घटित हुआ है। क्योंकि महिलाओं को जो आरक्षण दिए जा रहे हैं ये कोई महिलाओं की बराबरी के एहसास की वजह से नहीं बल्कि इसमें इस मुद्दे का दोहन करने का मंसूबा हावी है। वरना यह कैसे कि महिलाओं की भलाई व बराबरी के नाम पर उन्हें ही सांसत में डालने वाले लोगों की न उस समय शिक्षक भर्ती मामले में चिन्हित करके कोई जवाबदेही सुनिश्चित की गई और न ही अब पंचायती स्तर पर आरक्षण के मसले पर। वहीं मीडिया ने भी पूरे मसले को ऐसे पेश किया है जैसे कि कोर्ट में याचिकाएं स्वयं आरक्षण के खिलाफ लगी हों जबकि हकीकत इसके बिलकुल विपरीत है। वैसे इस पहलू को बार-बार मीडिया ने उठाया कि चुनाव लेट होने से ग्रामीण विकास प्रभावित हो रहा है इसके लिए वह साधुवाद के पात्र हैं। परंतु आरक्षण की इस संवैधानिक प्रक्रिया के उल्लंघन के गंभीर विषय को बहस में लाने में विफलता रही है। असल में आरक्षण जैसे छोटे-छोटे कदमों से महिला समानता जैसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने में तभी मदद मिलेगी जब हम सभी नागरिक संवैधानिक मूल्यों-मान्यताओं की संगति में एक बड़ी जद्दोजहद से गुजरते हुए निखरते चलें।

सू-दोकू नवताल -2113

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

सू-दोकू 2112 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2113

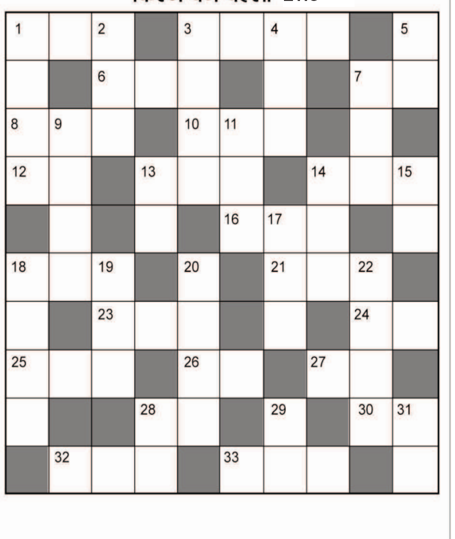

बायें से दायें:-

1. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-3
3. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-4
6. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-3
7. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
8. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-3
10. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-3
12. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-2
13. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-3
16. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-3
18. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-3
21. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-3
23. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-3
24. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-2
25. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-3
26. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-2
28. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-2
30. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-2
32. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-3
33. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-2,2
2. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-3
3. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-4
4. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-3
5. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-2
7. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-3
9. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-4
11. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-3
13. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-2
14. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-3
15. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-2
17. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-3
18. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-4
19. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-3
20. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-4
22. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-4
28. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-2
29. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-2
31. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2112

वै	रा	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ल्ला	द		स	सु	रा	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
रा	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	रा
इ		र्ची		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्ञा		दा	ग		ला	वा	रि	स

शनि जयंती पर 30 साल बाद बनने वाले हैं दुर्लभ योग

दान के शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

हिन्दू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि के दिन शनि जयंती मनाई जाती है। इस बार 30 मई सोमवार के दिन शनिदेव की जयंती मनाई जाएगी। इस बार शनि जयंती पर 30 साल बाद बहुत ही दुर्लभ योग बन रहे हैं। जानते हैं इस दिन के दान और पूजा के शुभ मुहूर्त के साथ ही पूजा विधि।

शनि जयंती पर दुर्लभ योग

इस दिन सोमवती अमावस्या के साथ ही वट सावित्री का व्रत भी रहेगा। ऐसा संयोग 30 साल बाद बन रहा है। इस दिन सर्वार्थसिद्धि योग भी है। इस दिन शनिदेव कुंभ राशि में रहेंगे जो उनकी खुद की राशि है।

पूजन के शुभ मुहूर्त

- अमावस्या तिथि 29 मई रविवार को दोपहर 2 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 30 मई सोमवार को शाम 4 बजकर 59 मिनट पर समाप्त होगी।
- अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:28 से 12:23 तक।
- विजय मुहूर्त : दोपहर 02:12 से 03:06 तक।
- निशिता मुहूर्त : 11:35 से 12:16 तक।

दान : शनि जयंती के दिन व्रत के पारण के बाद किसी निर्धन व्यक्ति को भोजन कराएं। सफाईकर्मी को सिक्के दान में दें और मंदिर में तेल, उड़द और तिल का दान करें। इसके अलावा यथाशक्ति आप जो दान देना चाहे वह दें।

पूजा की विधि

- प्रात: काल उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा स्थान की सफाई करें।
- किसी लकड़ी के पाट पर काला या लाल वस्त्र लेकर बिछाएं और उस पर शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर पर तेल, फूल माला और प्रसाद अर्पित करें। फिर उनके चरणों में काली उड़द और तिल चढ़ाएं। पंचोपचार या षोडोपचार पूजा करें।
- इसके शनि चालीसा का पाठ करें और व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद शनिदेव की आरती उतारें और प्रसाद का वितरण करें। शाम को भी चालीसा पढ़ें और आरती करें।

सरल उपाय शनिदेव को करेंगे प्रसन्न, सुख-शांति के लिए आजमाएं

शनि जयंती शनि देव की कृपा पाने का सबसे खास दिन है। अगर आप चाहते हैं कि शनि की असीम कृपा आप पर बनी रहे तो शनि जयंती के दिन ये 20 सरल उपाय आजमाएं और शनि देव से सुख-शांति का वरदान पाएं। शनि जयंती के मुहूर्त और खास उपाय

इस बार ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या तिथि का प्रारंभ 29 मई 2022, रविवार को दोपहर 254 मिनट से हो रहा है और सोमवार के दिन 30 मई 2022 को शाम 459 मिनट पर अमावस्या समाप्त होगी। अत: शनि जयंती सोमवार को मनाई जाएगी।

- शनि देव को उड़द की दाल की बूंदी के लड्डू बहुत प्रिय है अत: इस दिन लड्डू का भोग लगाकर बांटना चाहिए।
- शनि को दरिद्रों के नारायण भी कहते हैं इसलिए शनि जयंती पर दरिद्रों की सेवा से भी शनि प्रसन्न होते हैं।
- शनि जयंती पर असाध्य रोगों से ग्रस्त व्यक्ति को काला छाता, चमडे के जूते चप्पल पहनाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं।
- शनि जयंती पर घर के तथा अन्य वृद्धों का सम्मान करें, क्योंकि शनि देव को वृद्धावस्था का स्वामी कहा गया है, जिस घर में माता पिता व वृद्धजनों का सम्मान होता है उस घर से शनि देव बहुत प्रसन्न होते हैं तथा जिस घर में वृद्ध का अपमान होता है उस घर से खुशहाली दूर भागती है।
- शनिवार को तेल की मालिश करके नहाना चाहिए, लेकिन शनि जयंती के दिन तेल की मालिश नहीं करें, बल्कि तेल का दान अवश्य करें।
- इस दिन लोहे की कोई वस्तु शनि मंदिर दान करनी चाहिए। वह वस्तु ऐसी हो जो मंदिर के किसी काम आ सके।
- शनि जयंती पर शनि मंदिर में बैठकर ऊँ एं श्री श्री शनैश्चराय का जाप करना चाहिए।
- शनि दोष के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के लिए शनि जयंती के रोज भगवान भोलेनाथ व हनुमान जी की पूजा एक साथ करनी चाहिए।
- शनि जयंती पर शनि संबंधी कथा, शनि चालीसा, शिव चालीसा, बजरंगबाण, हनुमान बाहुक व हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए।
- इस दिन शनि मंदिर से शनि रक्षा कवच या काला धागा हाथ में बांधने के लिए अवश्य लें।
- शनि को मनाने के लिए शनि जयंती व्रत बहुत फलदायी है। यह व्रत करने वाले पर शनिदेव की असीम कृपा होती है।
- शनि जयंती के अवसर पर भगवान शिव का भस्म व तिलाभिषेक करना लाभदायी रहता है।
- इस दिन दशरथकृत शनि स्तोत्र का पाठ कम से कम 11 बार अवश्य करना चाहिए। इससे जीवन की परेशानियां और शनि के अशुभ प्रभाव से मिलने वाले बुरे फलों में कमी आती है।
- इसके अलावा इस दिन शनि चालीसा, शनैश्चरस्तवराज:, शिव चालीसा का पाठ तथा शनि देव की आरती भी करनी चाहिए। इस दिन कथा, शिव जी की आरती और मंत्रों का जाप करने से शनि संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है।
- शनि जयंती पर मंदिर में जाकर पार्थिव शिवलिंग का तेल से अभिषेक करना चाहिए तथा मंदिर में तेल, उड़द और तिल का दान करना चाहिए।
- शनि जयंती पर महाकाल के दर्शन करने से विशेष पुण्य फल मिलता है। अत: हो सके तो इस दिन महाकाल के दर्शन अवश्य करें।
- शनि जयंती पर भगवान भोलेनाथ को शकर का भोग लगाएं।
- शनि के अशुभ प्रभाव से बचाव के लिए शनि जयंती व्रत उत्तम होता है। यह व्रत करने वाले को इस दिन प्रात:काल में भगवान शिवशंकर की पूजा-अर्चना करनी चाहिए, तत्पश्चात शनि देव का पूजन करना चाहिए।
- इसके अलावा शिव जी का दूध, दही, घी, नर्मदा-गंगा जल, शहद से अभिषेक करना चाहिए।
- शनि जयंती के दिन निर्धन व्यक्ति को भोजन करवाएं तथा सफाईकर्मी को सिक्कों का दान अवश्य दें।

सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है वट सावित्री

इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर्व 30 मई 2022 को मनाया जा रहा है। यह व्रत अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है। महिलाओं का वट सावित्री अमावस्या के दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिन्दू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी से अमावस्या तक तथा ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक करने का विधान है।

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत करने से पति दीर्घायु और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में बरगद वृक्ष चारों ओर घूमकर सौभाग्यवती स्त्रियां रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह ही वट या बरगद वृक्ष का भी विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां यानी कुमारी, विवाहिता, कुपुत्रा, सुपुत्रा, विधवा आदि करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, बरगद) का पूजन होता है।

पूजा विधि

- वट सावित्री अमावस्या के दिन प्रात:काल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें।
- इसके बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें।
- ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें।
- इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियों को वटवृक्ष के नीचे ले जाकर रखें।
- इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें।
- अब निम्न श्लोक से सावित्री को अरघ्य दें-
  अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते।
  पुत्रान्‌ पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोस्तुते।।
- तत्पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बड़ की जड़ में पानी दें।
- इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें-
  यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोसि त्वं महीतले।
  तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा।।
- पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें।
- जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर 3 बार परिक्रमा करें।
- बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।
- भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर सासुजी के चरण स्पर्श करें।
- यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं।
- वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुमकुम से सौभाग्यवती स्त्री के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं।
- पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें।
- अंत में निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें
  मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं सत्यवत्सावित्रीप्रीत्यर्थं च वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।
- इस वट वृक्ष के नीचे सावित्री-सत्यवान की कथा को पढ़ने अथवा सुनने से मनोवांछित सुफल की प्राप्ति होती है।

रंभा तीज के दिन अप्सरा रंभा के इन 10 नामों के पूजन से बढ़ेगा सौंदर्य

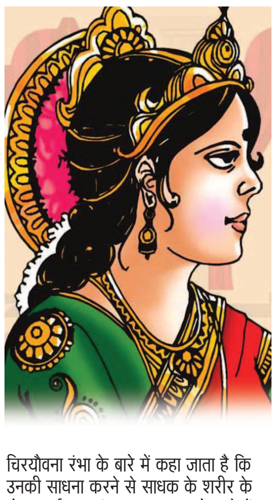

चिरयौवना रंभा के बारे में कहा जाता है कि उनकी साधना करने से साधक के शरीर के रोग, जर्जरता एवं बुढ़ापा समाप्त हो जाते हैं। अप्सरा रंभा आकर्षक सुंदरतम वस्त्र, अलंकार और सौंदर्य प्रसाधनों से युक्त-सुसज्जित देवी है। रंभा के मंत्र सिद्ध होने पर वह साधक के साथ छाया के तरह जीवन भर सुंदर और सौम्य रूप में रहती है तथा उसके सभी मनोरथों को पूर्ण करने में सहायक होती है। यह जीवन की सर्वश्रेष्ठ साधना है। जिसे देवताओं ने सिद्ध किया इसके साथ ही ऋषि मुनि, योगी, संन्यासी आदि ने भी सिद्ध किया इस सौम्य साधना को। इस साधना से प्रेम और समर्पण के गुण व्यक्ति में स्वत: प्रस्फुरित होते हैं क्योंकि जीवन में यदि प्रेम नहीं होगा तो व्यक्ति तनावों में बीमारियों से ग्रस्त होकर समाप्त हो जाएगा। प्रेम को अभिव्यक्त करने का सौभाग्य और सशक्त माध्यम है रंभा साधना।

साधना विधि

सामग्री : प्राण प्रतिष्ठित रंभोत्कीलन यंत्र, रंभा माला, सौंदर्य गुटिका तथा साफल्य मुद्रिका। यह रात्रिकालीन 27 दिन की साधना है। इस साधना को किसी भी पूर्णिमा या शुक्रवार को अथवा किसी भी विशेष मुहूर्त में प्रारंभ करें। साधना प्रारंभ करने से पूर्व साधक को चाहिए कि स्नानादि से निवृत्त होकर अपने सामने चौकी पर गुलाबी वस्त्र बिछा लें, पीला या सफेद किसी भी आसान पर बैठे, आकर्षक और सुंदर वस्त्र पहनें। पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें। घी का दीपक जला लें। सामने चौकी पर एक थाली रख लें, दोनों हाथों में गुलाब की पंखुडियां लेकर रंभा का आह्वान करें।

ऊँ रंभे अगच्छ पूर्ण यौवन संस्तुते

यह आवश्यक है कि यह आह्वान कम से कम 101 बार अवश्य हो प्रत्येक आह्वान मंत्र के साथ गुलाब की पांखुरी थाली में रखें। इस प्रकार आह्वान से पूरी थाली पांखुरियों से भर दें। अब अप्सरा माला को पंखुरियों के ऊपर रख दें इसके बाद अपने बैठने के आसान पर और अपने ऊपर इत्र छिडकें। रंभोत्कीलन यंत्र को माला के ऊपर आसन पर स्थापित करें। गुटिका को यंत्र के दाएं तरफ तथा साफल्य मुद्रिका को यंत्र के बाएं तरफ स्थापित करें। सुगंधित अगरबत्ती एवं घी का दीपक साधना काल तक जलते रहना चाहिए। सबसे पहले गुरु पूजन ओर गुरु मंत्र जप कर लें। फिर यंत्र तथा अन्य साधना सामग्री का पंचोपचार से पूजन संपन्न करें। स्नान, तिलक, धूप, दीपक एवं पुष्प चढ़ाएं। इसके बाद बाएं हाथ में गुलाबी रंग से रंग हुआ चावल रखें, और निम्न मंत्रों को बोलकर यंत्र पर चढ़ाएं।

रंभा के नाम मंत्र-

ऊँ दिव्यायै नम:, ऊँ प्राणप्रियायै नम:

ऊँ वागीश्वर्ये नम:, ऊँ ऊर्जस्वलायै नम:

ऊँ सौंदर्य प्रियायै नम:, ऊँ यौवनप्रियायै नम:

ऊँ ऐश्वर्यप्रदायै नम:, ऊँ सौभाग्यदायै नम:

ऊँ धनदायै रम्भायै नम:, ऊँ आरोग्य प्रदायै नम:

इसके बाद प्रतिदिन निम्नलिखित मंत्र से 11 माला प्रतिदिन जप करें।

मंत्र : ऊँ ह्रीं रं रम्भे ! आगच्छ आज्ञां पालय मनोवांछितं देहि ऐं ऊँ नम:

प्रत्येक दिन अप्सरा का आह्वान करें। हर शुक्रवार को दो गुलाब की माला रखें, एक माला स्वयं पहन लें, दूसरी माला को रखें, जब भी ऐसा आभास हो कि किसी का आगमन हो रहा है अथवा सुगंध एकदम बढ़ने लगे अप्सरा का बिंब नेत्र बंद होने पर भी स्पष्ट होने लगे तो दूसरी माला सामने यंत्र पर पहना दें। 27 दिन की साधना में प्रत्येक दिन नए-नए अनुभव होते हैं, चित्त में सौंदर्य भाव बढ़ने लगता है, कई बार तो रूप में अभिवृद्धि स्पष्ट दिखाई देती है। साधना पूर्णता के पश्चात मुद्रिका को अनामिका अंगुली में पहन लें, शेष सभी सामग्री को जल में प्रवाहित कर दें। यह सुपरिक्षित साधना है। पूर्ण मनोयोग से साधना करने पर अवश्य मनोकामना पूर्ण होती ही है।

वट सावित्री का व्रत ज्येष्ठ अमावस्या को रखें या पूर्णिमा को

30 मई 2022 को वट सावित्री का व्रत रखा जाएगा। ज्येष्ठ माह की अमावस्या और पूर्णिमा दोनों ही दिन वट सावित्री का व्रत रखा जाता है। हालांकि कई महिलाओं के मन में यह प्रश्न होगा आखिर वट सावित्री का व्रत कब रखा जाना चाहिए। जानते हैं कि क्या मत है इस संबंध में।

- स्कन्द और भविष्य पुराण के अनुसार वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को किया जाता है, लेकिन निर्णयामृतादि के अनुसार यह व्रत ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को करने का विधान है।
- यह भी कहते हैं कि भारत में अमानता व पूर्णिमानता ये दो मुख्य कैलेंडर प्रचलित हैं। हालांकि इन दोनों में कोई फर्क नहीं है बस तिथि का फर्क है। पूर्णिमानता कैलेंडर के अनुसार वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ माह की अमावस्या को मनाया जाता है जिसे वट सावित्री अमावस्या कहते हैं जबकि अमानता कैलेंडर के अनुसार इसे ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को मनाते हैं, जिसे वट पूर्णिमा व्रत भी कहते हैं।
- वट सावित्री अमावस्या का व्रत खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, पंजाब और हरियाणा में ज्यादा प्रचलित है जबकि वट पूर्णिमा व्रत महाराष्ट्र, गुजरात सहित दक्षिण भारत के क्षेत्रों में प्रचलित है।
- वट सावित्री का व्रत शादीशुदा महिलाएं अपने पति की भलाई और उनकी लम्बी उम्र के लिए रखती हैं। दोनों ही व्रतों के पीछे की पौराणिक कथा दोनों कैलेंडरों में एक जैसी है।
- दोनों ही व्रत के दौरान महिलाएं वट अर्थात बरगद की पूजा करके उसके आसपास धागा बांधती है।
- पुराणों में यह स्पष्ट किया गया है कि वट में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है।
- मान्यता अनुसार इस व्रत को करने से पति की अकाल मृत्यु टल जाती है। वट अर्थात बरगद का वृक्ष आपकी हर तरह की मन्नत को पूर्ण करने की क्षमता रखता है।
- वट वृक्ष का पूजन और सावित्री-सत्यवान की कथा का स्मरण करने के विधान के कारण ही यह व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस व्रत में महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करती हैं।
- इस दिन सती सावित्री की कथा सुनने व वाचन करने से सौभाग्यवती महिलाओं की अखंड सौभाग्य की कामना पूरी होती है।
- इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां (कुमारी, विवाहिता, विधवा, कुपुत्रा, सुपुत्रा आदि) इसे करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं।
- भारतीय संस्कृति में 'वट सावित्री अमावस्या एवं पूर्णिमा' का व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। वट पूजा से जुड़े धार्मिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलू में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का विशिष्ट महत्व माना गया है। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह व्रत सौभाग्य और संतान प्राप्ति में सहायता देने वाला माना गया है।

अमेरिका बना भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार

नई दिल्ली । अमेरिका बीते वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। इससे दोनों देशों के बीच मजबूत होते आर्थिक रिश्तों का पता चलता है। इस तरह भारत के साथ व्यापार के मामले में अमेरिका ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में अमेरिका और भारत का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 119.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। 2020-21 में यह आंकड़ा 80.51 अरब डॉलर का था। आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 76.11 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 51.62 अरब डॉलर रहा था। वहीं इस दौरान अमेरिका से भारत का आयात बढ़कर 43.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 29 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार 115.42 अरब डॉलर रहा, जो 2020-21 में 86.4 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष के दौरान चीन को भारत का निर्यात मामूली बढ़कर 21.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 21.18 अरब डॉलर रहा था। वहीं इस दौरान चीन से भारत का आयात बढ़कर 94.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 65.21 अरब डॉलर पर था। वित्त वर्ष के दौरान भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 72.91 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 44 अरब डॉलर रहा था। व्यापार क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी वर्षों में भारत का अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार और बढ़ेगा, जिससे दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को और मजबूती मिलेगी।

जापानी राजनयिक बोले- उनके देश का भारत में निवेश यहां के माहौल पर निर्भर करेगा

गुवाहाटी । भारत में जापान दूतावास के राजनयिक उप-प्रमुख कावाजु कुनिहिको ने कहा कि अगले पांच वर्षों में उनके देश से 5,000 अरब येन का निवेश लक्ष्य भारत में 'निवेश के माहौल' पर निर्भर करेगा। हालांकि, कुनिहिको ने कहा कि जापान और भारत के संबंध हर एक क्षेत्र में प्रगाढ़ हो रहे हैं। यहां एक कार्यक्रम से इतर कुनिहिको ने कहा, 'हम भारत में अगले पांच साल में 5,000 अरब येन के निवेश लक्ष्य की घोषणा कर चुके हैं। यह सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों से होगा और विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारत को कर्ज देना भी इसमें शामिल है।' उन्होंने कहा कि जिन प्रमुख क्षेत्रों में मुख्य रूप से निवेश होगा वे हैं विनिर्माण, जलवायु परिवर्तन और अवसंरचना। कुनिहिको ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि हम इस लक्ष्य को पा लेंगे। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत में निवेश का माहौल कितना बेहतर है। भारतीय पक्ष की ओर से प्रयास और सहयोग के बगैर निवेश लक्ष्य को पाना मुश्किल होगा।' निवेश माहौल से उनका क्या मतलब है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति, अवसंरचना विकास पर जोर और नीतिगत स्थिरता भारत में पूंजी आकर्षित करने के लिए अहम हैं। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के बीच संबंध 21वीं सदी में लगातार ऊंचाई पर जा रहे हैं। मार्च में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने घोषणा की थी जापान अगले पांच साल में भारत में 5,000 अरब येन (3,20,000 करोड़ रुपये) का निवेश करेगा।

असंगठित क्षेत्र में ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड 94 फीसदी श्रमिकों की कमाई 10 हजार रुपये से भी कम

नई दिल्ली । देश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की न्यूमतम मासिक कमाई सरकारी निर्धारण से भी कम है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 27.69 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में से 94 प्रतिशत की हर महीने की कमाई 10,000 रुपये से भी कम है। ई-श्रम पोर्टल के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पोर्टल पर पंजीकृत 74 प्रतिशत श्रमिक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। नवंबर, 2021 में मासिक 10,000 रुपये से कम की कमाई वाले असंगठित क्षेत्र के कामगारों की संख्या 92.37 प्रतिशत थी। उस समय पोर्टल पर आठ करोड़ से कुछ अधिक श्रमिक पंजीकृत थे। उस समय पोर्टल पर पंजीकृत एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के श्रमिकों की संख्या 72.58 प्रतिशत थी। विशेषज्ञों का मानना है कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण बढ़ने के साथ पता चलता है कि समाज में काफी असमानता है। इस पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों के पंजीकरण का लक्ष्य है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या करीब 38 करोड़ है। ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य देश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का एक व्यापक डेटाबेस (एनडीयूडब्ल्यू) तैयार करना है। इस पोर्टल को 26 अगस्त, 2021 को शुरू किया गया था। सरकार का इरादा इस पोर्टल के जरिये देश के असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों को कल्याण योजनाओं का लाभ प्रदान करना है।विशेषज्ञों का कहना है कि असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों का पंजीकरण चालू कैलेंडर साल में पूरा हो जाएगा। इससे राजनीतिक नेतृत्व को समाज के वंचित तबके के लिए एक प्रमाण आधारित नीति बनाने में मदद मिलेगी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, ई-श्रम पोर्टल पर कुल 27.69 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिक पंजीकृत हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिक काफी गरीबी में जीवनयापन कर रहे हैं और इनमें से ज्यादातर समाज के पिछड़े समुदाय से आते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि पोर्टल पर पंजीकृत 94.11 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की मासिक कमाई 10,000 रुपये से भी कम है। वहीं 4.36 प्रतिशत की कमाई 10,001 से 15,000 रुपये के बीच है। पोर्टल पर पंजीकृत 74.44 प्रतिशत श्रमिक समाज के पिछड़े वर्ग से आते हैं। इनमें से 45.32 प्रतिशत ओबीसी, 20।95 प्रतिशत एससी और 8.17 प्रतिशत एसटी वर्ग के हैं। सामान्य श्रेणी के श्रमिकों की संख्या 25.56 प्रतिशत है। उम्र के लिहाज से देखा जाए, तो 61.72 प्रतिशत श्रमिकों की आयु 18 से 40 साल और 22.12 प्रतिशत की 40 से 50 साल के बीच है। पोर्टल पर पंजीकृत 13.23 प्रतिशत श्रमिकों की आयु 50 साल से अधिक है। वहीं 2.93 प्रतिशत की आयु 16 से 18 साल के बीच है। पोर्टल पर पंजीकृत 52.81 प्रतिशत श्रमिक महिलाएं और 47.19 प्रतिशत पुरुष हैं। पंजीकरण के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और ओडिशा हैं। पंजीकृत श्रमिकों में सबसे अधिक 52.11 प्रतिशत का मुख्य पेशा खेती है। वहीं 9.93 प्रतिशत घरों में काम करते हैं जबकि 9.13 प्रतिशत निर्माण क्षेत्र में मजदूरी करते हैं।

हैदराबाद में 34 ट्रेन रद्द, राज्य परिवहन ने अतिरिक्त बसें चलाने की घोषणा की

हैदराबादः दक्षिण मध्य रेलवे ने रविवार को हैदराबाद में 34 ट्रेन रद्द कर दिये। ये ट्रेनें मल्टी मॉडल परिवहन सेवा के तहत चलाई जाती हैं, जो हैदराबाद को सिकंदराबाद तथा बाहरी इलाकों से जोड़ती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि मरम्मत और रखरखाव संबंधी गतिविधियों के कारण ट्रेन सेवा रद्द की गई है। लिंगमपल्ली से हैदराबाद और हैदराबाद से लिंगमपल्ली के बीच नौ-नौ और लिंगमपल्ली से फलकनुमा तथा फलकनुमा से लिंगमपल्ली के बीच सात-सात ट्रेनें रद्द की गई हैं। ट्रेनें रद्द किये जाने ये यात्रियों को अधिक मुश्किल का सामना न करना पड़े, इसलिए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने ग्रेट हैदराबाद क्षेत्र में अतिरिक्त बस सेवायें संचालित करने की घोषणा की है।

घरेलू कोयले की उचित मात्रा निर्धारित करें सीईए - ऊर्जा मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने रविवार को केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) को शक्ति बी (8) (ए) के तहत कोयले का उपयोग करने वाले बिजली संयंत्रों के लिए घरेलू कोयले की पात्र मात्रा निर्धारित करने का निर्देश दिया। शक्ति बी (8) (ए) बिजली संयंत्रों के लिए वह व्यवस्था है, जिसके तहत बिजली पैदा करने के लिए कोयले की लिए बोली लगा सकते है। इसे डे अहेड मार्केट (डीएएम) या डीईईपी पोर्टल के तहत शॉर्ट टर्म पीपीए के तहत एक्सचेंज में बेचे जा सकते हैं। ऐसे संयंत्रों के लिए मंत्रालय ने सीईए को निर्देश दिया है कि वह 15 जून 2022 से 31 मार्च 2023 तक की अवधि के दौरान उत्पादन के लिए भार के आधार पर 10 प्रतिशत का सम्मिश्रण करें और उसके आधार पर खपत कोयले की मात्रा की गणना करें। इससे इन संयंत्रों को आयातित कोयले की खरीद के लिए करीब तीन सप्ताह का समय मिलेगा। बिजली की बढ़ती मांग और घरेलू कोयला कंपनियों से कोयले की आपूर्ति और खपत के बीच मेल नहीं बन पा रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए विद्युत मंत्रालय ने 28 अप्रैल को आईपीपी समेत सभी जेनकोस को बिजली उत्पादन के लिए आयातित कोयले का 10 प्रतिशत मिश्रण करने की सलाह दी, ताकि घरेलू कोयले की आपूर्ति पूरी हो सके।

स्टार्टअप में फंडिंग का टोटा, निवेशक उभरती प्रौद्योगिकी पर मेहरबान

नई दिल्ली।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए वेंचर कैपिटल और निवेशकों ने जहां एक तरफ पारंपरिक स्टार्टअप में पैसा लगाना कम कर दिया है, वहीं दूसरी तरफ उन्हें ब्लॉकचेन, क्रिप्टो और एनएफटी तथा मेटावर्स में अधिक संभावनाएं दिख रही हैं। कोविड महामारी के दौरान दो साल से अधिक समय तक एडटेक, हेल्थटेक, ई ग्रासरी, फूड डिलीवरी और ऑनलाइन होम सर्विस क्षेत्र में स्टार्टअप तेजी से उभरे लेकिन अब निवेशक अपनी पूंजी कहीं और लगाने में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं। अमेरिका में कैलिफोर्निया आधारित इनवेस्टमेंट फर्म एंड्रीस्सेल होरोविज ऐसे ही निवेशकों में से एक है। उसने हाल ही में दो नए फंड की घोषणा की। साढ़े चार अरब डॉलर के ये फंड क्रिप्टो और ब्लॉकचेन कंपनियों तथा इंटरनेट की नई पीढ़ी वेब 3.0 स्टार्टअप के लिए हैं। इसके अलावा 60 करोड़ डॉलर का गेम्स फंड वन गेमिंग उद्योग के लिए है। इसी तरह सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाईनेंस के पूर्व अधिकारियों के एक समूह ने रिपोर्ट के अनुसार, 10 करोड़ डॉलर के वेंचर फंड की स्थापना की है। गेमिंग क्षेत्र में भारतीय स्टार्टअप के लिए अपार संभावनायें हैं। स्मार्टफोन के यूजर्स की बढ़ती संख्या और इंटरनेट डाटा पैक के सस्ता होने से हाई इंटेसिटी वाले गेमिंग डिवाइस और बड़े स्क्रीन भी जगह बना रहे हैं। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 43 करोड़ से अधिक लोग मोबाइल पर गेम खेलते हैं और 2025 तक इनकी संख्या बढ़कर 65 करोड़ हो सकती है। देश के 1.6 अरब डॉलर के गेमिंग बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी मोबाइल गेमिंग की है। क्रैफ्टन इंक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख्य सॉन सोन ने आईएएनएस से कहा कि भारत के गेमिंग इकोसिस्टम में हर आयु के गेमर है। गेम डेवलपर, डिजाइनर, निवेशक और विपणन करने वाले मिलकर लेटेस्ट गेम तैयार करते हैं और उसे गेमर्स को ऑफर करते हैं। इनवेस्टमेंट बैंकिंग प्लेटफॉर्म मैपल कैपिटल एडवाइजर की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में गेमिंग स्टार्टअप्स ने गत साल के शुरुआती नौ माह के दौरान 1.6 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई। इनमें से करीब 90 फीसदी फंड ड्रीम स्पोर्ट्स और मोबाइल प्रीमियर लीग को मिला। शीर्ष वेंचर्स ने अन्य गेमिंग स्टार्टअप्स जैसे प्लेशिफु, जुपी और विंजो में करोड़ों डॉलर का निवेश किया। पबजी मोबाइल गेम डेवलपर क्रैफ्टन ने नॉडविन गेमिंग में 2.24 करोड़ डॉलर का निवेश किया। एक मेटावर्स और एनएफटी आधारित स्टार्टअप सैंडबॉक्स ने हाल में करीब 9.3 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई। जापान कके सॉफ्टबैंक ने पहली बार किसी क्रिप्टो एसेट में निवेश किया। एनएफटी आधारित दूसरे स्टार्टअप स्फेरमियॉन को 10 करोड़ डॉलर का फंड मिला। कैमरन और टाइलर विंकलेवॉस ने इसमें निवेश किया है। नासकॉम के मुताबिक, पिछले पांच साल के दौरान भारत में क्रिप्टो का उद्योग 39 फीसदी से अधिक बढ़ा है। वेंचर इंटेलीजेंस यूनीकॉर्न ट्रैकर के मुताबिक, 2021 में 230 से अधिक क्रिप्टोटेक स्टार्टअप और 34 भारतीय कंपनियों ने यूनीकॉर्न का दर्जा हासिल किया।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार कमजोर

- मई में 39 हजार करोड़ रुपये के शेयर बेचे

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर मार्केट के उबरने की उम्मीदों को विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली से बढ़ा झटका लगा है। एफपीआई के धन निकलने का क्रम अभी रुका नहीं है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अपनी बिक्री की होड़ जारी रखते हुए इस महीने में अब तक भारतीय इक्विटी मार्केट से 39,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। विदेशी निवेशक अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में अधिक आक्रामक बढ़ोतरी की संभावनाओं के बीच ये कदम उठा रहे हैं। इसके साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से शेयरों से शुद्ध रकम निकासी इस वर्ष अब तक 1.66 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च (रिटेल) प्रमुख श्रीकांत चौहान के मुताबिक, भारत में एफपीआई प्रवाह निकट भविष्य में अस्थिर रहने की संभावना है। उन्होंने इसके लिए कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई और सेंट्रल बैंकों की सख्त मौद्रिक नीति को जिम्मेदार ठहराया है। श्रीकांत चौहान इसके साथ ही स्पष्ट करते हैं, हाल ही में एफपीआई की ओर से बिकवाली में सुस्ती के संकेत मिले हैं। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीएलएलएस) और रिटेल खरीद एफपीआई की बिक्री के खिलाफ मजबूत काउंटर के रूप में उभर रहे हैं। वहीं, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट वीके विजयकुमार ने भी चौहान की बातों का समर्थन करते हुए कहा, एफपीआई ऊपरी स्तर पर बिक्री जारी रख सकते हैं। अगर वैश्विक बाजार स्थिर रहा, तो एफपीआई जो बेचेंगे डीआईआई और रिटेल निवेशक उन्हें खरीद लेंगे। विदेशी निवेशक इक्विटी मार्केट से अक्टूबर से अप्रैल तक यानी 7 महीनों में कुल 1.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम की निकासी कर चुके हैं। इसका मतलब यह हुआ कि इस अवधि में वे शुद्ध बिकवाल रहे। हालांकि, अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई निवेशक की भूमिका में आ गए और बाजारों में गिरावट आने के कारण शेयरों में 7,707 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

फूड बाजार में प्रवेश करेगी अमूल, जून से मिलेगा ऑर्गेनिक आटा

मुंबई ।

अमूल ब्रांड के उत्पाद बनाने वाली डेयरी कंपनी गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडेरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने ऑर्गेनिक फूड के बाजार में उतरने की घोषणा की। जीसीएमएमएफ ने कहा कि इस कारोबार के तहत उतारा गया पहला उत्पाद अमूल ऑर्गेनिक होल व्हीट आटा है। कंपनी आगे चलकर मूंग दाल, तुअर दाल, चना दाल और बासमती चावल जैसे उत्पाद भी बाजार में उतारेगी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को एक साथ लाया जाएगा और दूध एकत्र करने के मॉडल को ही इस कारोबार में भी अपनाया जाएगा। इससे ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों की आय बढ़ेगी और ऑर्गेनिक खाद्य उद्योग को अधिक लोकतांत्रिक बनाया जा सकेगा। किसानों का बाजार से जुड़ाव एक बड़ी चुनौती है, वहीं ऑर्गेनिक जांच सुविधाएं भी महंगी हैं। इसलिए अमूल ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को बाजार से जोड़ने के अलावा देशभर में पांच स्थानों पर ऑर्गेनिक जांच प्रयोगशालाएं भी स्थापित करेगी। इस तरह की पहली प्रयोगशाला अहमदाबाद में अमूल फेड डेयरी में बनाई जा रही है।

नेशनल टेक्सटाइल्स कॉरपोरेशन के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने एनसीएलटी की हरी झंडी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कपड़ा कंपनी नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन (एनटीसी) के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने की हरी झंड़ी राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने ने दे दी है। एनसीएलटी ने एक परिचालन कर्जदाता की याचिका को मंजूर करने के बाद ने का आदेश दिया है। एनसीएलटी की दिल्ली पीठ ने एनटीसी के बोर्ड को निलंबित करने के साथ ही अमित तलवार को अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) नियुक्त किया है। पीठ ने ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के अनुसार एनटीसी के खिलाफ स्थगन की भी घोषणा की है। एनसीएलटी की दो-सदस्यीय पीठ ने एनटीसी के दावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इसके परिचालन लेनदार द्वारा दावा की गई देय राशि पर खड़ा किया गया विवाद सिर्फ एक 'जबरन खड़ा किया गया विवाद' है और करीब 14 लाख रुपये के भुगतान में चूक हुई है।

शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि आईबीसी कानून लागू होने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की किसी कंपनी के खिलाफ इसका क्रियान्वयन किया गया है। एनटीसी भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के तहत आती है। यह पूरे देश में स्थित अपनी 23 मिलों के माध्यम से धागे एवं कपड़े के उत्पादन में लगी हुई है। एनसीएलटी ने एनटीसी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश हीरो सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचएसईपीएल) की तरफ से दायर याचिका पर दिया है। एचएसईपीएल ने अपनी याचिका में एनटीसी के लिए सोलर रूफटॉप परियोजना लगाने के दो अनुबंधों के लिए 13।84 लाख रुपये के भुगतान में चूक का दावा किया था। यह मामला करीब छह साल पुराने अनुबंध से जुड़ा हुआ है। एनटीसी ने मई, 2016 में तमिलनाडु में कुल 780 किलोवॉट क्षमता की रूफटॉप सौर परियोजनाएं लगाने का ठेका दिया था। इन दोनों परियोजनाओं के अनुबंध के अनुसार, पहली परियोजना के लिए 2।21 करोड़ रुपये और दूसरी परियोजना के लिए 1।86 करोड़ रुपये की राशि क्रमशः दिसंबर, 2016 और अप्रैल, 2017 को काम पूरा होने पर दी जानी थी। लेकिन एनटीसी एचएसईपीएल को इस अनुबंध राशि का पूरा भुगतान करने में विफल रहा और समझौते की शर्तों के खिलाफ 13।84 लाख रुपये की राशि बकाया रही। इस बकाया राशि को आधार बनाते हुए एचएसईपीएल ने दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश देने की अपनी अपनी याचिका में की थी।

दुनिया की सबसे बड़ी कोयला कंपनी कोल इंडिया सात साल बाद कोयला आयात करेगी

देश में बिजली संकट और कोयले की कमी को देखते हुए लिया फैसला

मुंबई ।

दुनिया की सबसे बड़ी कोयला कंपनी कोल इंडिया सात साल बाद कोयले का आयात करने जा रही है। कोल इंं डिया ने कहा है` कि देश में बिजली संकट और कोयले की कमी को देखते हुए उसने यह फैसला` लिया है। इस संबंध में बिजली मंत्रालय ने एक पत्र जारी किया है। 2015 के बाद यह पहली बार होगा कि कोल इंडिया कोयला आयात करने जा रहा है। केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने 28 मई को लिखे पत्र में कहा था` कि कोल इंडिया गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट (जी2जी)बेसिस पर कोयले का आयात करेगी और राज्य के बिजली उत्पादकों और स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) के ताप बिजली संयंत्रों को सप्लाय किया जा सके। यह पत्र सभी उपयोगिताओं, संघीय कोयला सचिव और कोल इंडिया के अध्यक्ष समेत शीर्ष संघीय और राज्य ऊर्जा अधिकारियों को भेजा गया था। बिजली मंत्रालय ने पत्र में कहा कि लगभग सभी राज्यों ने सुझाव दिया था कि राज्यों द्वारा कई कोयला टेंडर से गड़बड़ी की आशंका हो सकती है। इस लिए कोल इंडिया के जरिए केंद्रीकृत खरीद का फैसला लेने की मांग की गई थी। इस महीने की शुरुआत में भारत सरकार ने राज्यों और कोयले से ऑपरेट होने वाली कंपनियों को जरूरत का कम से कम 10 प्रतिशत कोयला आयात करने के लिए कहा था। सरकार ने ऐसा नहीं करने पर घरेलू खनन कोयले की आपूर्ति में कटौती की चेतावनी दी थी। भारत के ऊर्जा क्षेत्र में कोयले के भंडार में कमी और उसके चलते बिजली की कटौती की खबरें हाल में सुर्खियों में रहीं थीं। आशंका जताई जा रही है कि मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष में कोयले की मांग 784.6 मिलियन टन होगी, जो पहले के अनुमान से 3.3 फीसदी ज्यादा है।

रिलायंस ने 2021-22 में सीएसआर गतिविधियों पर 1,185 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते वित्त वर्ष 2021-22 में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों पर रिकॉर्ड 1,184.93 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। कंपनी की ताजा सीएसआर रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में यह राशि खर्च की है। रिपोर्ट कहती है` कि वित्त वर्ष 2021-22 में सामाजिक जिम्मेदारी की पहल, स्वास्थ्य और समुदायों की बेहतरी कंपनी के एजेंडा में शीर्ष पर रही। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष के दौरान उसने न केवल अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों, बल्कि आपात स्थिति के दौरान देशभर में लोगों की बेहतरी के लिए यह राशि खर्च की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में रिलायंस ने जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सीएसआर गतिविधियों पर कुल 1,184.93 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। कंपनी अपनी सीएसआर गतिविधियां का संचालन परमार्थ इकाई रिलायंस फाउंडेशन के जरिये करती है। रिलायंस फाउंडेशन की प्रमुख नीता एम अंबानी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते दो साल सेवा के थे। 2021 की शुरुआत काफी उम्मीदों के साथ हुई थी, लेकिन इस दौरान महामारी की दूसरी लहर के रूप में सबसे बड़ा संकट भी सामने आया, जिसने देश-दुनिया को बुरी तरह प्रभावित किया। रिपोर्ट कहती है कि महामारी के दौरान रिलायंस ने राष्ट्र के समक्ष आ रही जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया। साथ ही समुदायों को महामारी से उबरने और सशक्त करने में भी मदद की। कंपनी ने कहा` कि यह सिर्फ सीएसआर के लिए नहीं था। बल्कि यह लोगों के जीवन, सपनों और भविष्य को बचाने के लिए था।

खाद्य तेल सरसों, सोयाबीन सहित कई के दाम गिरे

नई दिल्ली ।

ग्रहणियों के के लिए खुशखबरी है खाद्य तोलों पर मंहगाई की मार कम हो गई है। दरअसल, विदेशी बाजारों की निर्यात मांग के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार आया। वहीं, गर्मियों की वजह से स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी सभी तेल-तिलहनों की थोक कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली तेल की निर्यात मांग होने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव में पर्याप्त सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि विदेशों में मूंगफली तेल की मांग होने की वजह से निर्यातक गुजरात में मूंगफली तेल 160 रुपये प्रति किलो के भाव खरीद कर रहे हैं। इस निर्यात मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत हुए। लेकिन स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में नरमी दर्ज हुई। सूत्रों ने दावा किया कि खाद्य तेल-तिलहनों के थोक भाव में गिरावट आई है। यह पूछे जाने पर अगर गिरावट आई है, तो आम उपभोक्ताओं को 190-210 रुपये लीटर या उससे अधिक कीमत पर सरसों तेल क्यों मिल रहा है, सूत्रों ने कहा कि यह वास्तविकता है कि थोक भाव कम हुए हैं। थोक विक्रेता आगे आपूर्ति करने के लिए खुदरा कंपनियों को 152 रुपये लीटर (अधिभार सहित) के हिसाब से आपूर्ति कर रहे हैं। खाद्य तेल के एक प्रमुख ब्रांड ने शनिवार को 152 रुपये लीटर के भाव बिक्री की है, लेकिन खुदरा कंपनियां यदि इस कीमत में मनमानी वृद्धि कर रही हैं, तो सरकार को उसपर अंकुश लगाने के बारे में सोचना चाहिए। छापेमारी से कुछ हासिल नहीं होगा, उल्टा इससे तेल कारोबार की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि छापेमारी के बजाय केवल बाजार में घूम-घूम कर खुदरा विक्रेता कंपनियों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की जांच की जाए, तो समस्या की जड़ में पहुंचा जा सकेगा। लेकिन अगर खुदरा बिक्री कंपनियां एक सीमा से अधिक जाकर मनमाना पैसा वसूलने पर उतारू हो जायें, तो बढ़ती मुद्रास्फीति को संभालना मुश्किल होगा। सूत्रों ने कहा कि थोक बिक्री मूल्य के हिसाब से खुदरा में सरसों तेल अधिकतम 158-165 रुपये लीटर तथा सोयाबीन तेल अधिकतम 170 से 172 रुपये लीटर मिलना चाहिए। इस कीमत पर उपभोक्ताओं को खाद्य तेल आपूर्ति के लिए सरकार को यथासंभव प्रयास करना होगा। सूत्रों ने कहा कि जिस मात्रा में सरसों का रिफाइंड बनाकर आयातित तेलों की कमी को पूरा किया जा रहा है.

सुपरनोवाज ने तीसरी बार महिला टी20 चैलेंज का खिताब जीता

पुणे (एजेंसी)।

सुपरनोवाज ने वेलोसिटी को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 4 रनों से हराकर तीसरी बार महिला टी20 चैलेंज खिताब जीता है। इससे पहले सुपरनोवाज ने साल 2018 और 2019 में भी यह खिताब जीता था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी सुपरनोवाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 165 रन बनाए। इस दौरान उसकी ओर से डिएंड्रा डॉटिन ने अर्धशतक लगाया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की टीम 8 विकेट पर 161 रन ही बना पायी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की शुरुआत अच्छी रही। उसने तेजी से खेलते हुए 2 ओवर में ही टीम का स्कोर बिना विकेट के 28 रन था। तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा 15 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। अगले ओवर में ही यास्तिका भाटिया भी आउट हो गयीं। उन्होंने 9 गेंद पर 13 रन बनाए। किरण नवगीरे खाता भी नहीं खोल पायीं जबकि एन चैंथम 6 रन बनाकर आउट हुईं। इस प्रकार टीम का स्कोर 4 विकेट पर 58 रन पहुंच गया। कप्तान दीप्ति शर्मा भी केवल 2 रन बना पायीं।लौरा वोल्वार्ट और स्नेह राणा ने टीम को संभालने का प्रयास किया पर वह नाकाम रहीं। राणा 15 रन बनाकर लेग स्पिनर अलाना किंग का शिकार हुईं जबकि केट क्रॉस ने 7 गेंद पर 13 रन बनाए, वहीं राधा यादव खाता नहीं खोल पायीं। वोल्वार्ट ने 34 गेंद पर अर्धशतक लगाया। टीम को जीत के लिए अंतिम 12 गेंद पर 34 रन बनाने थे पर टीम विफल रही। सुपरनोवाज की ओर से एक्लेस्टोन ने 2 विकेट लिए। इससे पहले डिएंड्रा डॉटिन 62 और कप्तान हरमनप्रीत कौर 43 की आक्रामक बल्लेबाजी से सुपरनोवाज ने 7 विकेट पर 165 रन बनाए थे।वेलोसिटी के लिए केट क्रॉस, दीप्ति शर्मा और सिमरन बहादुर ने 2-2 विकेट लिए।

पैरा कैनो एथलीट प्राची यादव ने रचा इतिहास, पैराकैनो विश्व कप में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पैरा कैनो एथलीट प्राची यादव ने पोलैंड के पोंजनान में चल रहे पैराकैनो विश्व कप की महिला वीएल2 200 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया।

प्राची ने 1:04.71 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। वह कनाडा की रजत पदक विजेता ब्रियाना हेनेसी (1:01.58') और स्वर्ण पदक विजेता ऑस्ट्रेलिया की सुजान सेपेल (1:01.54') से पीछे रहीं। यह भारत का 26 मई से शुरू होकर रविवार को खत्म होने वाली प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं मनीष कौरव (केएल पुरूष 200 मीटर) और मंजीत सिंह (वीएल2 पुरूष 200 मीटर) ने अपनी स्पर्धाओं के फाइनल्स में प्रवेश किया है जो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार हुआ है। जयदीप ने वीएल3 पुरूष 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया था लेकिन वह इसके आगे नहीं बढ़ सके।

स्टेडियम के दुरूपयोग मामले में आईएएस दंपत्ति का तबादला करके केंद्र ने कड़ा संदेश दिया : ठाकुर

पुणे(एजेंसी)।

खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी में स्टेडियम के कथित दुरूपयोग को लेकर आईएएस दंपत्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकी लेकिन गृह मंत्रालय ने उनका तबादला करके कड़ा संदेश दिया है कि खेलों के मैदान खिलाड़ियों के लिये हैं। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में 27 एकड़ में कशाबा जाधव खेल परिसर के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि भविष्य में मलखम्ब जैसे भारत के पारंपरिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाया जायेगा। उन्होंने कहा ,'' खिलाड़ियों के लिये सिर्फ अभ्यास ही नहीं और प्रतिस्पर्धायें होनी चाहिये। इससे खिलाड़ियों को उनकी मानसिक दृढता परखने का मौका मिलेगा। मैदान और सुविधायें हैं लेकिन कुछ लोगों पर प्रतिबंध भी है। हाल ही में दिल्ली में एक आईएएस अधिकारी और उनकी पत्नी स्टेडियम का इस्तेमाल कर रहे थे जबकि खिलाड़ियों को बाहर रखा गया था। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है।' उन्होंने कहा ,'' दिल्ली सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन गृहमंत्री (अमित शाह) और उनके विभाग ने कार्रवाई की और उनका तबादला कर दिया गया। इससे कड़ा संदेश गया कि स्टेडियम सिर्फ खिलाड़ियों के लिये है।''

बतौर खिलाड़ी और कप्तान असाधारण रहा है संजू : संगकारा

अहमदाबाद (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा का कहना है कि संजू सैमसन ने विकेटकीपर , कप्तान और बल्लेबाज की तिहरी भूमिका को आईपीएल में बखूबी अंजाम दिया है। राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को सात विकेट से हराकर 2008 के बाद पहली बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाई। संगकारा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' संजू का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पिछले सत्र में काफी कड़े इम्तिहान से उसने शुरूआत की जब युवा टीम , कोरोना संक्रमण के मामले और दो चरण में टूर्नामेंट हुआ लेकिन वह अपनी भूमिका में परिपक्व हुआ है।'' उन्होंने कहा ,'' वह काफी मृदुभाषी और शर्मीला है लेकिन बल्ले से उसके हुनर का जवाब नहीं। उसने कप्तानी की कठिन भूमिका में खरे उतरने के लिये काफी जुनून और जीत की भूख दिखाई है। विकेटकीपिंग, कप्तानी और जोस बटलर के साथ टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज होना आसान नहीं है लेकिन इस सत्र में उसने सब कुछ बखूबी किया।'' श्रीलंका के इस महान क्रिकेटर ने कहा ,'' उसे अपनी भूमिका का अहसास है। रणनीति को लेकर उसकी समझ बेहतर हुई है। उसे अपनी टीम पर भरोसा है और टीम उसे एक अगुआ के रूप में देखती है।'' बटलर के प्रदर्शन के बारे में संगकारा ने कहा ,'' टी20 बल्लेबाजी में इस सत्र में उसने जो किया, उसका बखान करना मुश्किल है। उसने अच्छी शुरूआत की , बीच में कुछ डगमगाया लेकिन शांतचित्त होकर फिर लय पकड़ी।''

उन्होंने कहा ,'' उसने स्वीकार कर लिया कि वह भी इंसान है और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। उसके पास सारे स्ट्रोक्स हैं और वह खेल को बखूबी समझता है। मुझे याद नहीं पड़ता कि आईपीएल के इतिहास में किसी ने इतनी शानदार बल्लेबाजी की हो।'' संगकारा ने कहा कि नौ खिलाड़ियों के कोर ग्रुप ने उनका काम आसान कर दिया। उन्होंने कहा ,'' अनुभवी टीम के होने का यही फायदा है।हमारे पास नौ अनुभवी और हुनरमंद खिलाड़ी हैं। मुझे कोच के रूप में ज्यादा कुछ करना नहीं होता। '' आरसीबी के क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने कहा कि आखिरी पांच ओवरों में तेजी से रन नहीं बना पाने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा ,'' पांच ओवर बाकी रहते हमारा स्कोर तीन विकेट पर 123 रन था। हम 175 . 180 रन बना सकते थे जब मैक्सवेल और पाटीदार खेल रहे थे। हमने दोनों विकेट गंवा दिये और आखिरी ओवरों में 20 रन पीछे रह गए।

कोहली क्रिकेट से ब्रेक ले सकते है: ली

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि भारतीय दिग्गज विराट कोहली दिमाग को तरोताजा करने और कुछ चीजों पर काम करने के लिए खेल से ब्रेक लेने पर विचार कर सकते हैं। कोहली का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें सत्र में औसत अभियान शुक्रवार को अहमदाबाद में दूसरे क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की राजस्थान रॉयल्स से सात विकेट से हार के बाद समाप्त हो गया। कोहली की बल्लेबाजी में बुरे दौर के बारे में पूछे जाने पर ली ने शनिवार को पीटीआई से कहा, '' अगर मैं ये कहूं कि क्या यह चिंता का विषय है तो हां, यह चिंता का विषय है। मैं चाहूंगा कि कोहली अधिक रन बनाये। '' कोहली ने पिछले तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई शतक नहीं लगाया है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में भी वह 16 मैचों में 22.73 की औसत से सिर्फ 341 रन ही बना सके। ली ने कहा, '' कोहली को लेकर आमतौर पर यह बात रहती है कि जब वह अच्छा करते हैं तो टीम का प्रदर्शन भी अच्छा रहता है और जब वह रन नहीं बनाते हैं तो टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है। हमने 2016 आईपीएल सत्र में देखा है जब वह शानदार लय में थे।

रुद्रांक्ष निशानेबाजी विश्व कप के अंतिम आठ में पहुंचे

बाकू । भारत के रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल ने अजरबैजान में जारी आईएसएसएफ विश्व कप राइफल , पिस्टल और शॉटगन प्रतियोगिता के पहले दिन 10 मीटर एयर राइफल के अंतिम आठ में जगह बनायी है। भारत ने इस विश्व कप में केवल 12 सदस्यीय राइफल टीम ही मैदान में उतारी है। हाल ही में हुए जूनियर विश्व कप में जीते रुद्रांक्ष ने 78 मजबूत क्वालीफिकेशन क्षेत्र में 628.8 अंक के साथ ही चौथा स्थान हासिल किया था। वहीं सर्बिया के लजार कोवेसेविक ने 60-क्वालीफाइंग शॉट्स के बाद 630.6 के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके अलावा भारत के ही दीपक कुमार ने 626.8 अंक के साथ 15वां, पार्थ मखीजा ने 624.7 अंक के साथ 26वां स्थान हासिल किया है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली । आईपीएल के 15 वें सत्र में इस बार एक हजार से ज्यादा छक्के लगे हैं। यह पहली बार है जबकि आईपीएल में पहली बार किसी एक सत्र में हजार से भी ज्यादा छक्के हों। इस सत्र में सबसे ज्यादा छक्के के मामले में राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर नंबर एक पर हैं। बटलर ने 16 मैचों में 151.47 की स्ट्राइक रेट से 824 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 16 मैचों में 45 छक्?के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स के लियाम लिविंग्?टोन हैं। लिविंगस्टोन के नाम 34 छक्के हैं। वहीं 32 छक्?कों के साथ आंद्रे रसेल तीसरे नंबर पर हैं। चौथे नंबर पर 30 छक्कों के साथ लखनऊ सुपरजायंटस के कप्तान लोकेश राहुल हैं। वहीं पांचवें नबर पर राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन हैं। संजू ने 16 मैचों में 26 छक्के लगाये हैं।

बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी ने विम्बलडन चैम्पियन को फ्रेंच ओपन से बाहर किया

पेरिस (एजेंसी)।

भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और मातवे मिडलकूप की जोड़ी ने हार नहीं मानने का गजब का जज्जा दिखाते हुए शनिवार को यहां पांच मैच प्वाइंट बचाकर माटे पाविच और निकोल मेकटिच की मौजूदा विम्बलडन चैम्पियन जोड़ी को फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम से बाहर कर दिया। पुरूष युगल के कांटे की टक्कर के तीसरे दौर मुकाबले में बोपन्ना की सर्विस हमेशा की तरह खतरनाक थी और उनकी वॉली भी तेज तर्रार थी जबकि नीदरलैंड के उनके जोड़ीदार ने दबाव में बेहद संयम दिखाया।

बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी ने दो घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में पाविच और मेकटिच की जोड़ी को 6-7, 7-6, 7-6 से शिकस्त दी। बोपन्ना इस तरह क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर क्ले कोर्ट मेजर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी करने में सफल रहे। वह पहले चार बार ऐसा कर चुके हैं। पाविच-मेकटिच ने पहला सेट जीत लिया था जिसके बाद बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी के दूसरे सेट में जीत से दोनों जोड़ियां बराबरी पर थीं। तीसरे सेट के शुरुआती गेम में ही पाविच-मेकटिच की जोड़ी को ब्रेक का मौका मिला जब मिडलकूप का फोरहैंड लंबा चला गया। मिडलकूप ने पहली सर्विस शानदार की थी लेकिन मेकटिच ने मजबूत रिटर्न किया और उन्हें 2-0 से बढ़त बनाने में मुश्किल नहीं हुई। बोपन्ना ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। पाविच ने भी अपनी सर्विस बचायी जिससे दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी अब 3-1 से आगे हो गयी। मिडलकूप की सर्विस पर बोपन्ना ने नेट के करीब बैकहैंड गलती कर दी और ब्रेकप्वाइंट तक पहुंचे, पर इसे और अगले को भी बचाने में सफल रहे। दसवें गेम में मेकटिच सर्विस करते हुए दबाव में दिख रहे थे। एक मैच प्वाइंट से पिछड़ रहे मिडलकूप ने विनर और फिर बोपन्ना ने फारहैंड पर शानदार विनर लगाकर 5-5 से बराबरी हासिल की। इसके बाद लय बदल गई। बोपन्ना ने अपना बेहतर खेल दिखाया और पाविच भी बड़ी सर्विस से सुपर टाइ-ब्रेक तक पहुंचे। दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी कई मैच प्वाइंट अपने नाम करते हुए 9-6 तक पहुंची लेकिन भारतीय-नीदरलैंड की जोड़ी ने वापसी के लिये गजब का जज्बा दिखाया और चार मैच प्वाइंट बचाकर सुपर टाई-ब्रेक तक पहुंच गये। प्रतिद्वंद्वी टीम के 10-10 पर गलती से उन्हें पहला मैच प्वाइंट मिला। पाविच ने मैच प्वाइंट पर अच्छी सर्विस की लेकिन मिडलकूप के 'एंगल्ड'' रिटर्न के बाद बोपन्ना खुशी से चीख पड़े। मिडलकूप को भी भरोसा नहीं हुआ और वह मैदान पर गिर पड़े।

आईपीएल के इस सत्र में आरसीबी के युवा रहे सफल , स्टार रहे फ्लाप

मुबई (एजेंसी)।

आईपीएल के इस 15 वें सत्र में तीसरे स्थान पर आयी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम का खिताब जीतने का सपना इस बार भी टूट गया। दूसरे क्वालीफायर में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार के बाद बाहर होना पड़ा। इस सत्र की शुरुआत आरसीबी ने अच्छी की पर बीच में वह लड़खड़ा गयी। उसके स्टार खिलाड़ी विराट कोहली नहीं चले जबकि कप्तान फाफ डुप्लेसी का प्रदर्शन भी सामान्य रहा। इसके साथ ही उसका शीर्ष क्रम भी टूर्नामेंट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाया। टीम पूरे सत्र में शीर्ष क्रम की नाकाम से परेशान रही। फाफ डुप्लेसी के साथ शुरु के मैचों में अनुज रावत ने पारी की शुरुआत की पर असफल रहने के बाद विराट कोहली को पारी की शुरुआत के लिए भेजा गया। विराट भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर कोई कमाल नहीं दिखा पाये। वह तीन बार पहली ही गेंद पर आउट हुए और केवल दो अर्धशतक की लगा पाये। स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का प्रदर्शन हालांकि अच्छा रहा। गेंदबाज हर्षल पटेल ने भी शानदार गेंदबाजी कर अपने को साबित किया पर उन्हें बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज गेंदबाजी में प्रभावी नहीं रहे। श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा ने अच्छी गेंदबाजी की। वहीं युवा रजत पाटीदार ने शानदार प्रदर्शन कर खेलने के लिए मिले अवसर का भरपूर लाभ उठाया। रजत को टीम ने नहीं खरीदा था और उन्हें लवनीत सिसोदिया की जगह उतारा गया था। रजत आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज़ भी बने।

इंटरनेशनल पेंटनगुलर ड्यूबॉल चैंपियनशिप 2022 में भारत ने जीता स्वर्ण पदक

मुंबई । मुंबई के वडाला स्थित बीपीसीए भारतीय क्रीड़ा मंदिर 25 मई से 27 मई तक चलने वाले इंटरनेशनल पेंटनगुलर ड्यूबॉल चैंपियनशिप 2022 में 5 देशों ने भाग लिया था। इस खेल में इंडिया, बांग्लादेश, यमन, ओमान, और इराक जैसे देश ने भाग लिया था। फाइनल मैच इंडिया और बांग्लादेश के बीच में हुआ था जिसमें भारत ने 8/6 के स्कोर के साथ इस खेल में स्वर्ण पदक जीता है। भारतीय टीम के मनीष और उल्फत ने 3-3 ड्यू बनाएं और गोकुल और राजशेखर ने 1-1 ड्यू बनाएं। कैप्टन शबिस्तान नायकर के कप्तानी में भारतीय टीम ने लगातार पांचवीं बार स्वर्ण पदक हासिल किया है। भारतीय टीम के गोकुल को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड दिया गया। उलपत सेठ को बेस्ट अटैक कर ऑफ द टूर्नामेंट के अवार्ड से नवाजा गया।

नॉर्वे शतरंज - विश्वनाथन आनंद और कार्लसन में होगी टक्कर

स्टावंगर, नॉर्वे । विश्व के सबसे कठिन सुपर ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट माने जाने वाले नॉर्वे शतरंज के 10वे संस्करण में एक बार फिर भारत के 5 बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद वर्तमान विश्व चैम्पियन मेजबान नॉर्वे के मेगनस कार्लसन समेत 8 और दिग्गज खिलाड़ियों से लोहा लेते नजर आएंगे । पिछले सप्ताह ही ग्रांड चैस टूर के सुपरबेट रैपिड खिताब जीतने के बाद 52 वर्षीय आनंद की क्लासिकल शतरंज में वापसी पर सबकी नजरे होंगी । इससे पहले आनंद नॉर्वे शतरंज 2013,2015,2017,2018,2019 में प्रतिभागिता कर चुके है । आनंद और कार्लसन के अलावा इस वर्ष यूएसए के वेसली सो , नीदरलैंड के अनीश गिरि , अजरबैजान के शाखिरयार ममेद्यारोव और तैमूर रद्जाबोव ,फ्रांस के मकसीम लागरेव , बुल्गारिया के वेसेलीन टोपालोव ,चीन के वांग हाउ और मेजबान नॉर्वे के आर्यन तारी खेलते नजर आएंगे । प्रतियोगिता 30 मई से 10 जून तक 9 राउंड रॉबिन मुकाबलों के आधार पर खेली जाएगी । प्रतियोगिता की कुल पुरुष्कार राशि 2 करोड़ रुपेय होगी।

विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने का दबाव नहीं : नीरज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह जुलाई में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे पर इसके लिए अधिक दबाव नहीं लेंगे। नीरज ने कहा कि उनकी नीति विश्व चैम्पियनशिप में वही रहेगी जो ओलंपिक में थी। इसलिए वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने के बारे में अधिक सोच विचार कर अपने पर गैर जरुरी दबाव नहीं बनाना चाहते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि अगर वह इस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने में सफल रहे तो अवश्य ही जीतेंगे।

नीरज अभी अभ्यास के लिए फिनलैंड में हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल ओलंपिक में मैंने कोई दबाव नहीं लिया था, मैं यह नहीं सोच रहा था कि मुझे स्वर्ण पदक जीतना ही है। इसलिए मैंने अच्छा किया और स्वर्ण पदक जीता। मेरा प्रयास हमेशा हालातों के अनुसार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना रहा है। अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ करता हूं और भविष्य के लिए और सुधार करता और सीखता हूं तो मुझे संतोष मिलता है।

चोपड़ा ने कहा , मैं विश्व चैम्पियनशिप के दौरान भी ऐसा ही करूंगा। अब देखते हैं कि परिणाम कैसा रहता है, मैं पदक जीतने में सफल रहता हूं या नहीं। यह जरुरी नहीं ओलिम्पिक में स्वर्ण पदक जीता है तो विश्व चैम्पियनशिप में भी पदक जीत ही जाउं। मैं देखूंगा कि भविष्य को देखते हुए किस प्रकार के सुधार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ा दबाव तो है, यह स्वभाविक है पर मैं हमेशा ही तनावरहित रहने का प्रयास करता हूं। इसके अलावा परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोचता।

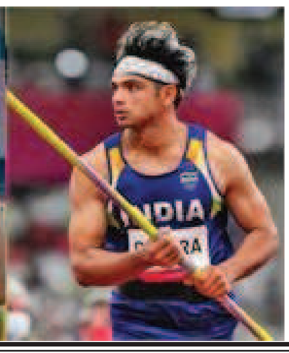

सूरत महानगर पालिका मंदिर का डेमोलेशन कर रही हैं लेकिन लिंबायत विस्तार के "रामराज्य सोसायटी" में बन रहे अवैध निर्माण का डेमोलेशन क्यों नहि?

भ्रष्टाचार की पाठशाला है लिंबायत जोन....

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत महानगर पालिका के अधिकारियों द्वारा मंदिर का डेमोलिशन किया जा रहा है वही दूसरी तरफ लिंबायत जोन के अंतर्गत रामराज्य सोसाइटी में चल रहे अवैध निर्माण पर अधिकारी क्यों मेहरबान है । अगर मंदिर का डेमोलिशन हो सकता है तो फिर इस अवैध बांधकाम पर अधिकारियों द्वारा क्यों कार्यवाही नहीं की जा रही लिंबायत जोन के जवाबदार अधिकारी अपने कार्य से क्यों कतरा रहे हैं ?

शहर के साउथ जोन उधना में जहां एक तरफ हजारों बांधकाम अवैध ढंग से किए जा रहे हैं लेकिन उसकी कीमत भारतीय जनता पार्टी के नेताओं तथा अधिकारियों को मिल रही है इसलिए अवैध ढंग से किए गए बाग काम पर मनपा के अधिकारी हथोड़ा नहीं चला रहे हैं बल्कि वही सुशासन बाबू के राम राज्य में पैसे के भूखो की तरह अधिकारी और नेता मंदिरों का डेमोलेशन करवा रहे हैं शायद यह बात अंध भक्तों को सुनाई और दिखाई नहीं दे रही है क्योंकि आज वह समय देखने को मिल रहा है की इस दुनिया में जीने का अधिकार सिर्फ भाजपा नेताओं और अधिकारियों का है क्योंकि हर जगह के अवैध बांधकाम की सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा अरजी की गई है। **शहर के लिंबारत जोन के अधिकारी इस तरह से डरे हुए हैं कि जैसे बिल्ली शेर से डरती है। इसका प्रमाण समाचार पत्र में छपी हुई तस्वीर रह बरां कर रही है की थोड़े दिन पहले जिस बिल्डिंग का मनपा कर्मचारी नाम मात्र का डेमोलेशन कर के गए थे, वही बिल्डिंग आज पर्दे की आड़ में फिर तैरार कर दी गई। क्रा मनपा अधिकारिरों द्वारा थोड़ा मोड़ा डिमोलिशन कर देने के बाद बिल्डिंग को वैद्यता का प्रमाणपत्र मिल जाता है?**

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने गोधरा में पंचामृत डेयरी में विकास कार्यों का लोकार्पण किया

पंचमहल । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपनी गुजरात यात्रा के दूसरे दिन आज पंचामृत डेयरी, गोधरा में अनेक विकास कार्यों का शुभारंभ और लोकार्पण किया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पीडीसी बैंक के प्रधान कार्यालय की नई बिल्डिंग का उद्घाटन, 3 मोबाइल-ऋरूवैन का शुभारंभ, 250 वर्गमीटर में बने 30 क्यूबिक मीटर प्रति घंटे की क्षमता वाले ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन, पंचामृत बटर कोल्ड स्टोरेज एवं मालेगांव (महाराष्ट्र) स्थित डेयरी प्लांट का लोकार्पण और उज्जैन (मध्य प्रदेश) में नए स्थापित होने वाले डेयरी प्लांट का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि आज के पांचों कार्यक्रम तीन ज़िलों (पंचमहल, मालेगांव और उज्जैन) के सहकारी आंदोलन को मजबूत करने वाले हैं। आज पंचमहल, महिसागर और दाहोद जिले के 1598 दूध मंडियां लगभग 73 हजार लीटर दूध उत्पादन का मजबूत संघ बनकर हमारे सामने खडे हैं। 18 लाख लीटर दूध और 300 करोड रूपए का टर्नओवर एक बहुत बडी सफलता है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि सालों से सहकारी आंदोलन के साथ जुडे हुए देशभर के लोगों की मांग थी कि समय के साथ-साथ सहकारी आंदोलन को जितनी मदद की जरूरत थी वो मिले और इसके लिए सहकार से जुड़े लोग पिछली सरकारों से मांग करते रहे लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। आज मुझे ये कहते हुए गर्व होता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक साल पहले पहली बार सहकारी आंदोलन के लिये केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय बनाकर इसे प्राथमिकता देने का काम किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जी ने सहकार के बजट को सात गुना बढाने का काम किया। इसके अलावा सहकारी चीनी मिलों को चीनी के भाव में बढ़ोत्तरी का फ़ायदा मिले इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर लगा कर हटा दिया। तमाम सहकारी संस्थाओ पर मेट कर (MAT) 18 प्रतिशत था जिसे घटाकर कंपनियों जितना करके सहकारी संस्थाओ को फायदा पहुंचाने का काम भी मोदी जी ने किया है। मोदी जी ने सरचार्ज को 12 से घटाकर सात प्रतिशत किया। देशभर की सभी मंडियों को कम्प्यूटराइज़्ड करके सीधा नाबार्ड के साथ जोड़ने का कार्यक्रम भी भारत सरकार चला रही है और इसके लिए 6500 करोड़ रूपए ख़र्च किए जाएंगे। अमित शाह ने कहा कि जब भी अमूल के बारे में बात होती है तो देश-विदेश के लोगों की आंखे चौंध जाती हैं। इतना बडा कोऑपरेटिव आंदोलन जिसका 60 हजार करोड रूपए का टर्न ओवर हो, ऐसी कल्पना करना मुश्किल है। मैं आज देश के सहकारिता मंत्री के तौर पर कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की है और पांच साल के अंदर सहकारी क्षेत्र मे बहुत बड़ी क्रांति नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आने वाली है। अनेक नये क्षेत्रों को जोडने की बात हो रही है, उनका डेटाबेस बना रहे हैं, उसके लिये ट्रेनिंग की व्यवस्था कर रहे हैं।

एसजी हाईवे के ऑवर ब्रिज पर कार की टक्कर से नीचे गिरे एक्टिवा सवार दंपत्ति की मौत

अहमदाबाद । शहर के एसजी हाईवे के ऑवर ब्रिज पर बेलगाम कार ने एक्टिवा दंपत्ति को टक्कर मार दी। कार की टक्कर लगने से एक्टिवा सवार दंपत्ति ब्रिज से नीचे जा गिरा, जिसमें दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक अपनी गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद निवासी रिटायर्ड पुलिस अधिकारी के बेटा द्वारकेश वाणिया और बहु जूली वाणिया शनिवार देर रात होटल में भोजन कर एक्टिवा पर अपने घर लौट रहे थे। शहर के एसजी हाईवे पर सोला भागवत के निकट ऑवर ब्रिज पर दंपत्ति एक्टिवा से गुजर रहा था, उस वक्त तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से एक्टिवा सवार दंपत्ति उछलकर ऑवर ब्रिज के नीचे जा गिरे। इस हादसे में दंपत्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दो महीने पहले ही द्वारकेश और जूली की शादी हुई थी, शनिवार को दो महीने पूरे होने पर वाणिया दंपत्ति होटल में भोजन करने गया था, जहां से लौटते वक्त दोनों हादसे का शिकार हो गए। घटना के बाद कार का ड्राइवर गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार जब्त कर उसके ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है।

गुजरात सरकार ने राज्य के डीजीपी और मुख्य सचिव को दिया 8 महीने का एक्सटेन्शन

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने डीजीपी और मुख्य सचिव को लेकर बड़ा फैसला किया है। सरकार ने राज्य के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया और मुख्य सचिव पंकजकुमार को 8 महीने का एक्सटेंशन दिया है। गुजरात सरकार के इस फैसले के बाद अब 31 मई को निवृत्त होनेवाले आशीष भाटिया आगामी 8 महीने तक राज्य के पुलिस महानिदेशक बने रहेंगे। केबिनेट कमेटी ऑन एपॉइन्टमेंट्स ने गृह मंत्रालय की दरखास्त को मंजूर किया है। अब आशीष भाटिया आगामी 8 महीने तक गुजरात पुलिस महानिदेशक पद पर बरकरार रहेंगे। गुजरात सरकार ने मुख्य सचिव पंकज कुमार को भी 8 महीने का एक्सटेन्शन दिया है। जनवरी 2023 तक पंकज कुमार बतौर मुख्य सचिव कार्यरत रहेंगे। मुख्य सचिव के एक्सटेन्शन को केन्द्र सरकार ने हरी झंडी दी है। गुजरात सरकार ने राज्य विधानसभा के आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव को 8 महीने का एक्सटेन्शन दिया है।

गुजरात विधानसभा के चुनाव निकट आने पर तय करेंगे कितनी सीटों पर लड़ेंगे : ओवैसी

पोरबंदर।

गुजरात विधानसभा के इस साल के आखिर में होनेवाले चुनावों को लेकर राजनीतिक दल एक्शन मोड में आ गए हैं। भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी समेत अन्य राजनीतिक दलों के नेता गुजरात के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। आज पोरबंदर पहुंचे एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि गुजरात विधानसभा के चुनाव में उनकी पार्टी पूरी ताकत के साथ उतरेगी। अहमदाबाद नगर निगम के चुनाव में बहुत ही कम समय में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि चुनाव निकट आने के बाद तय करेंगे कि एआईएमआईएम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। ओवैसी ने बताया कि वह अगले सप्ताह गुजरात के कच्छ का दौरा करेंगे। ओवैसी पोरबंदर से जूनागढ़ जिले के मांगरोल में आयोजित जनसभा के लिए रवाना हो गए। उनके साथ एआईएमआईएम के गुजरात प्रदेश प्रमख साबिर काबलीवाला, औरंगाबाद के सांसद इम्तियाज जलील और मुंबई के पूर्व सांसद वारिस पठान भी मौजूद रहेंगे।

पीएम मोदी ने अहमदाबाद को खेलकूद के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय नाम बनाने के लिए अनेक सुविधाएं दीं: अमित शाह

अहमदाबाद । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के अहमदाबाद में 632 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले ओलिंपिक-स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री निशिथ प्रमाणिक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इस अवसर पर अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि आज इस क्षेत्र के युवाओं का एक बड़ा स्वप्न साकार होने जा रहा है। क्षेत्र में कई स्कूल ऐसे हैं जहां मैदान ही नहीं है, ऐसे में ये बच्चे कहां खेलेंगे। लेकिन अब इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पीटी का दिन निश्चित कर जिस स्कूल में मैदान नहीं है, वहां के बच्चे यहां खेलने के लिए आएंगे। आज से तीस माह बाद हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करेंगे और मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि मैं खुद इसकी मॉनिटरिंग करके ये सुनिश्चित करूंगा कि तीस महीनों में यह कार्य संपन्न हो। आज इस क्षेत्र के सांसद के तौर पर मैं देश के प्रधानमंत्री और गुजरात के सपूत नरेन्द्र मोदी जी का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त करता हूं कि अगर उनका सहयोग ना मिला होता तो यह कॉम्प्लेक्स कभी बननेवाला नहीं था। अमित शाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अहमदाबाद को खेलकूद के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय नाम बनाने के लिए अनेक सुविधाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने आबाद (ABAD) डेयरी में अनेक प्रकार के खेल खेलने के लिए एक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स शुरु किया था। इसके अलावा अहमदाबाद में ही स्थित विश्व के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नाम भी नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस स्टेडियम के नज़दीक़ ही एक बहुत विशाल जगह सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए दी है और यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनने के साथ ही अहमदाबाद एक ऐसा शहर बन जाएगा जहां ओलंपिक की तैयारी की जा सकेगी। सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, नरेन्द्र मोदी स्टेडियम, नारणपुरा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और अन्य तीन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के साथ ही ओलंपिक के लिए सभी खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैदानों, स्टेडियमो की हमारी तैयारी पूरी हो जाएगी। शाह ने इस कॉम्प्लेक्स का डिज़ाईन तैयार करने में खेल मंत्रालय की मदद के लिए केन्द्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और खेल राज्यमंत्री निशिथ प्रमाणिक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में खेलकूद की ओर बच्चों को मोड़ने के लिए एक भगीरथ प्रयास शुरु किया गया है। पहले गुजरात दो बातों में हमेशा पीछे रहता था - सेना में भर्ती के लिए गुजरात का कोटा खाली रहता था और फ़िज़िकिल गेम्स हों तो गुजराती कहीं दिखता ही नहीं था। लेकिन आज मैं गौरव के साथ कह सकता हूं कि अब वैसी स्थिति नहीं है। आनेवाले 10 साल में गुजरात खेलकूद में सारे देश में प्रथम क्रम पर आए, ऐसे प्रयास हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल कर रहे हैं। पिछले तीन सालों में गांधीनगर क्षेत्र के अंदर कुल 8,613 करोड रूपए के काम संपन्न कर दिए गए है। घाटलोडिया विधानसभा क्षेत्र में 1984 करोड रूपए के कार्य, नारणपुरा में 1303 करोड रूपए के कार्य, वेजलपुर में 561 करोड रूपए के कार्य, साबरमती में 634 करोड रूपए के कार्य, साणंद में 800 करोड रूपए, गांधीनगर (उत्तर) 2800 करोड रूपए और कलोल में 2493 करोड रूपए के कार्य संपन्न हुए हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 तक गांधीनगर देश के सबसे विकसित मतक्षेत्रों की सूची में स्थान प्राप्त करेगा। आज से तीस महीनों बाद जब यह स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स संपन्न हो तब सभी स्कूलों को स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के साथ जोडने का काम स्कूलो के संचालकों और प्रिन्सिपलों को करना है। खेलों की पदक तालिका में भारत का ज़ीरो नंबर कभी नहीं होता और हमारे खिलाड़ी स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक ला रहे हैं।

सूरत भूमि, सूरत। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर क्षत्रिय एकता महासम्मेलन के कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब । पूरे भारतवर्ष के क्षत्रिय मेरा मान क्षत्रिय स्वाभिमान के जयघोष के साथ कार्यक्रम की हुई शुरूआत। समाज में शिक्षा को लेकर जागृति लाने के साथ ही राष्ट्र निर्माण में समाज सहयोगी बन सके इसी उद्देश्य के साथ पराक्रम सेवा संस्थान ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था।

टफ योजनाओं के तहत लंबित मामलों के निपटाने के लिए दो दिवसीय आउटरीच शिविर का आयोजन किया जाएगा

सूरत। भारत की कपड़ा राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश के अथक प्रयासों के बाद, सभी टफ योजनाओं के तहत लंबित मामलों के निपटाने के लिए सूरत में मंत्रा में टैक्सटाइल कमिश्नर के कार्यालय द्वारा दो दिवसीय आउटरीच / निकासी शिविर का आयोजन किया जाएगा, दर्शनाबेन द्वारा भी उद्घाटन किया जाएगा।

कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार की संचालन समिति ने वर्ष 2016 में टीयूएफएस दावों के सभी पिछले मामलों में शेष सब्सिडी को वितरित करने का निर्णय लिया था। ताकि एमटीयूएफएस, आरटीयूएफएस और आरआरटीयूएफएस स्वीकृत मामलों में लंबित सब्सिडी सत्यापन के बाद दी जा सके। इसके लिए बैंकों को एक तीसरे पक्ष द्वारा संयुक्त निरीक्षण के लिए छह अनिवार्य दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता थी, लेकिन यह पाया गया कि लंबित दावों के 75% में, बैंकों ने या तो छह अनिवार्य दस्तावेज जमा नहीं किए या बाद में बार-बार अनुरोध करने के बादभी संयुक्त निरीक्षण करने की इच्छा नहीं दिखाया था।

इसके अलावा, ऐसे मामलों में जहां जेआईटी आयोजित की जाती है, बैंकों / इकाइयों द्वारा आवश्यक दस्तावेज जमा नहीं किए गए हैं और इस संबंध में कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। इसी प्रकार, संशोधित उन्नयन निधि योजना (एटीयूएफएस) से जुड़े मामलों में, संयुक्त निरीक्षण पहले ही किए जा चुके हैं और कई मामलों में इकाइयों द्वारा आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान नहीं किया गया था।

टीयूएफएस के तहत सभी लंबित दावों के निपटान में तेजी लाने के लिए, टैक्सटाइल कमिश्नर के कार्यालय ने टेक्सटाइल उद्यमियों के घरों पर आउटरीच शिविर आयोजित करने और समूहों से जुड़े मामलों के लिए आवश्यक स्पष्टीकरण / दस्तावेज एकत्र करने का निर्णय लिया है। इस प्रयास में, टैक्सटाइल कमिश्नर के कार्यालय न पहले ही बैंगलोर, कोयंबटूर, अहमदाबाद और मुंबई में आउटरीच शिविर आयोजित कर चुका है।

इसी कड़ी में अब 30 और 31 मई, 2022 को सूरत शहर के रिंग रोड, टेक्सटाइल मार्केट के पास मंत्र (मेन मेड टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन) के सम्मेलन हॉल में एक आउटरीच / क्लीयरेंस कैंप का आयोजन किया जाएगा। टीयूएफएस के तहत लंबित मामलों की एक श्रृंखला जहां संस्थाओं और बैंकों से स्पष्टीकरण की प्रतीक्षा की गई थी, इस शिविर में निपटाया जाएगा।

शिविर का उद्घाटन 30 मई, 2022 को दोपहर 12 बजे सूरत के सांसद और भारत के कपड़ा राज्य मंत्री दर्शनबेन जरदोश द्वारा मंत्रा में किया जाएगा। दो दिवसीय शिविर के दौरान किसके मामले उठाए जाएंगे, इसकी जानकारी संबंधित लाभार्थियों को पहले ही दी जा चुकी है। शिविर में टैक्सटाइल कमिश्नर कार्यालय के अधिकारी शामिल होंगे जिन्होंने संयुक्त निरीक्षण किया, साथ ही 32 नोडल बैंक और सूरत के 12 पीएलआई संस्थान भी शामिल होंगे।

टैक्सटाइल कमिश्नर, अहमदाबाद के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा सूरत के सभी कपड़ा उद्योग संघों और संबंधित इकाइयों से अनुरोध है कि वे 30 मई, 2022 को दोपहर 12:00 बजे मंत्रा में आयोजित होने वाले शिविर के उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहें। चैंबर द्वारा प्रासंगिक इकाई धारकों से भी अनुरोध है कि वे टीयूएफएस के बकाया दावों के समाधान कर शिविर को सफल बनाएं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)